राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,03 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–276 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों का नर्सेज स्टाफ तीन दिनों की सांकेतिक हड़ताल पर

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में अगले तीन दिन मरीजों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। दिल्ली सरकार के अस्पतालों का नर्सेज स्टाफ बुधवार से अगले तीन दिनों तक सांकेतिक हड़ताल पर रहेगा। प्रमोशन में देरी, रिक्त पदों की भर्ती में देरी, वेतन में अनियमितता सहित कई अन्य मांगों को लेकर नर्सेज स्टाफ 2 से 4 नवंबर के बीच सुबह 9 से 11 बजे तक धरने पर बैठेगा। इस दौरान इमरजेंसी सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी। सांकेतिक हड़ताल का आह्वान दिल्ली नर्सेज फेडरेशन की ओर से किया गया है। उसके पदाअधिकारियों ने बताया कि दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सचिव और स्वास्थ्य मंत्री नर्सेज की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है, इसलिए 2 से 4 नवंबर तक नर्सेज सांकेतिक हड़ताल पर होगी। उन्होंने कहा कि इस हड़ताल में लोक नायक जय प्रकाश, जीटीबी, लेडी हार्डिंग, बाबू जगजीवन राम, डॉ. हेडगवार अरोग्य संस्थान का करीब 7000 नर्सेज स्टाफ असहयोग आंदोलन में भाग लेगा। हड़ताल के दौरान मरीजों को होने वाली परेशानी व असुविधा के लिए संगठन ने खेद जताया है। दिल्ली नर्सेज फेडरेशन के महासचिव लीलाधर रामचंदानी ने कहा कि दो महीने पहले ही दिल्ली सरकार को फेडरेशन की मांगों से अवगत कराया गया था लेकिन किसी ने नर्सेज की आवाज नहीं सुनी। इसलिए संगठन को अब अपनी जायज मांगों को लेकर धरने पर बैठना पड़ रहा है।

मध्य प्रदेश में भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की हुई मौत

बोलेरो और डंपर की भिड़ंत; 3 घायल

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। बोलेरो और डंपर की टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। इस घटना में 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना देर रात की है। सूचना मिलते ही पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे, जहां मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है और जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, नूराबाद थाना इलाके के नेशनल हाईवे 44 पर बीती रात यह भीषण सड़क हादसा देखने को मिला है। बताया जा रहा है कि बोलेरो गाड़ी से कुछ लोग ग्वालियर से लौट रहे थे। वही पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और इस घटना में मौके पर दो लोगों की मौत हो गई।

● बताया जा रहा है कि बोलेरो गाड़ी से कुछ लोग ग्वालियर से लौट रहे थे। वही पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो गाड़ी के परखच्चे उड़ गए।

सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची ने इस घटना में गंभीर रूप से घायल 6 लोगों को अस्पताल पहुंचाया। लेकिन इलाज से पहले ही तीन लोगों ने दम तोड़ दिया। इस घटना में कुल 5 लोगों की मौत हो चुकी है वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं जिनका इलाज ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है यह सभी मृतक और घायल व्यक्ति नूराबाद थाना इलाके के बित्तोली गांव के रहने बाले हैं और बीती रात ग्वालियर से वापस अपने घर आ रहे थे। फिलहाल पुलिस ने मृतकों के शवों को नूराबाद पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और जांच जारी है।

हैदराबाद से कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुरू, राहुल गांधी के साथ एक्ट्रेस पूजा भट्ट भी हुई शामिल

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा हैदराबाद शहर पहुंच गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को हैदराबाद शहर से पदयात्रा की शुरुआत की। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ एक्ट्रेस पूजा भट्ट भी शामिल हुई। मंगलवार को कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा हैदराबाद पहुंची थी। राहुल गांधी ने हैदराबाद की पहचान चार मीनार के सामने मंगलवार को तिरंगा फहराया। करीब 32 साल पहले राहुल गांधी के पिता एवं तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष राजीव गांधी ने भी उसी स्थान से 'सदभावना यात्रा' की शुरुआत की थी। मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुए। पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद इस यात्रा में शामिल होने का यह उनका पहला मौका था। वहीं 2016 में आत्महत्या करने वाले दलित छात्र रोहित वेमुला की मां राधिका वेमुला मंगलवार को राहुल गांधी के साथ 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुईं। राधिका यात्रा के प्रातःकालीन चरण में गांधी के साथ कुछ समय के लिए चलीं। राधिका वेमुला ने ट्वीट किया, ''भारत जोड़ो यात्रा के प्रति एकजुटता दिखाई। राहुल गांधी के साथ चली और कांग्रेस से संविधान को भाजपा-आरएसएस (भारतीय जनता पार्टी-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के हमले से बचाने, रोहित वेमुला को न्याय दिलाने, रोहित अधिनियम पारित कराने, उच्च न्यायपालिका में दलितों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने, सभी के लिए शिक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

हिप्र में भाजपा के बलबीर वर्मा सबसे अमीर उम्मीदवार

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में कई कुबेर किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें से कुछ उम्मीदवारों की संपत्ति एक अरब रुपये के भी पार है। उम्मीदवारों ने नामांकन पत्रों के साथ दाखिल शपथ पत्रों में अपनी संपत्ति की जानकारी चुनाव आयोग को दी है। इनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बलबीर सिंह वर्मा सबसे अमीर उम्मीदवार हैं। 52 वर्षीय वर्मा शिमला जिले की चौपाल सीट से विधायक हैं। इस बार भी भाजपा ने उन्हें यहीं से टिकट दिया है। वह 191 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं।

उन्होंने शपथपत्र में अपनी कुल चल एवं अचल संपत्ति

करीब 191 करोड़ रुपये की घोषणा की है। इसमें चल संपत्ति करीब 4.30 करोड़ और अचल संपत्ति करीब 187 करोड़ रुपये है। वह बिल्डर हैं। उनकी आय का जरिया बागवानी, होटल, पेट्रोल पंप और व्यावसायिक भवन हैं। उनके पास कई लग्जरी गाड़ियां हैं। वर्मा करीब दो करोड़ रुपये जीएसटी भरते हैं। उन्होंने वर्ष 2021-22 में सात करोड़ रुपये से ज्यादा आयकर भरा है। उनपर 47 करोड़ रुपये की देनदारी है। उनका मुकाबला कांग्रेस के रजनीश किमटा और कांग्रेस के बागी पूर्व विधायक सुभाष मंगलेट से है। किमटा ने अपनी चल संपत्ति 37.89 लाख और पत्नी की चल संपत्ति 2.31 करोड़ दिखाई है। इनकी अचल संपत्ति 22 करोड़ और पत्नी की 6.25 करोड़ रुपये है। किमटा पर 48 लाख रुपये और पत्नी पर 1.05 करोड़ रुपये की देनदारी है। किमटा ने वितीय वर्ष 2021-22 में लगभग 58 लाख रुपये का आयकर भरा है। निर्दलीय सुभाष मगलेट (50) के परिवार की चल-अचल संपत्ति 12 करोड़ रुपये से अधिक है।

सिद्धू मूसेवाला के बाद अब एक रैपर की गोली मारकर हत्या, दो साथियों की हालत गंभीर

मुंबई। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के मर्डर के बाद अब एक और रैपर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस रैपर का नाम टेकऑफ है। मिगोस के रैपरटेकऑफ ने 28 की उम्र में अंतिम सांस ली। घटना के दौरान रैपर के दो साथी भी मौजूद थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ह्यूस्टन में यह बॉलिंग कर रहे थे। दोपहर ढाई बजे का समय था, जब ये तीनों साथ थे। उसी समय इन पर गोली चलाई गई। 28 साल के रैपर की तो उसी समय मौत हो गई लेकिन उनके दो दोस्तों को आनन-फानन में हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां लहां कुआवो की हालत ठीक है। वहीं ऑफसेट गंभीर रूप से घायल हैं। उनकी इस हत्या पर फैन्स दुख जाहिर कर रहे हैं। उनके दोस्त और जानने-चाहने वाले भी सोशल मीडिया पर उनको याद कर रहे हैं। बॉक्सर क्रिस जूनियर ने लिखा- टेकऑफ जमीन से जुड़े इंसान थे। वह कूल डूड थे। इस बात पर बिलकुल विश्वास नहीं हो रहा है कि अब वह हमारे बीच नहीं है। मुझे ये लिखना पड़ रहा है। एक और ब्लैक स्टार की बिनी वजह गोली मारकर हत्या कर दी गई। इंडस्ट्री में वाकई बदलाव की जरूरत है।

डाइस खेलते समय हुआ हादसा–डाइस खेलते समय विवाद शुरू हो गया था और किसी ने उनको गोली मार दी। जानकारी के मुताबिक जिस समय ये घटना हुई उस वक्त घटनास्थल पर करीब 40-50 लोग थे। इस घटना का एक फुटेज सामने आया है, जिसमें कुआवो को देखा गया है और कुछ लोग टेकऑफ को घेरे खड़े थे। इस घटना के बाद कुआवो ने मदद के लिए गुहार भी लगाई।

बता दें कि टेकऑफ का असली नाम किर्शनिक खारी बॉल था. उनका जन्म 1994 में जॉर्जिया में हुआ था। टेकऑ मिगोस के तीसरे नंबर के रैपर थे। इनके दो घायल साथी कुआवो और ऑफसेट ने भी इन्हीं के साथ रैपिंग शुरू की थी। 2011 में तीनों ने साथ मिलकर जुग सीजन को रिलीज किया, मिगोस के रूप में उनका पहला मिक्सटेप बाजार में आया था। उनके हर रीमिक्स को लोगों ने जमकर प्यार दिया।

बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए सख्त हुई दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार एक्शन मोड में है। राज्य के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एंटी डस्ट अभियान के तहत औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एक निर्माण कंपनी पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन स्थलों पर भारी अनियमितताएं पाईं । दिल्ली में निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध के बावजूद निर्माण कार्य कई स्थानों पर चल रहे थे। ऐसे में डीपीसीसी को निर्माण कार्य बंद करने एवं एक कंपनी पर 05

लाख रुपये का जुर्माना लगाने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज आईटीओ के पास एक निर्माण स्थल पर निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। यहां निर्माण पर रोक लगाए जाने के बाद भी कार्य चल रहा था। जिसके बाद मंत्री मंत्री ने काम बंद कराने के निर्देश के साथ पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाने का भी निर्देश दिया।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता को वाई प्लस सिक्योरिटी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस को सोशल मीडिया पर लगातार धमकियां मिल रही है। अमृता के खिलाफ पहले भी कई बार सोशल मीडिया पर अभद्र और अश्लील टिप्पणी की जा चुकी है। इसी को देखते हुए अब अमृता की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अमृता के साथ अब 24 घंटे सशस्त्र सिपाही तैनात रहेंगे।

अमृता को वाई प्लस क्षेणी की सुरक्षा–अमृता को अब वाई प्लस (4+) क्षेणी की सिक्योरिटी प्रदान की गई है। इससे पहले उन्हें एक्स क्षेणी की सुरक्षा प्रदान की गई थी। अब जब भी अमृता अपनी कार के साथ बाहर निकलेगी तो उनके साथ ट्रैफिक क्लीयरेंस व्हीकल भी साथ चलेगा। ट्रैफिक क्लीयरेंस व्हीकल, वो वाहन है जो यात्रा के दौरान अमृता के लिए ट्रैफिक क्लियर करता रहेगा। बता दें कि एस्कॉर्ट क्षेणी के साथ वाई प्लस केटेगरी की सिक्योरिटी में एक एस्कॉर्ट वाहन 24 घंटे पांच पुलिसकर्मी की सुरक्षा के साथ मौजूद रहता है।

एकनाथ शिंदे के विधायकों को भी वाई प्लस सुरक्षा–महाराष्ट्र सरकार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के 41 विधायकों और 10 सांसदों को भी वाई प्लस सुरक्षा जारी रखने का फैसला किया है। यह फैसला खुफिया विभाग से मिली जानकारी के आधार पर लिया गया। राज्य पुलिस ने पिछले सप्ताह एक समीक्षा बैठक की थी।

सोशल मीडिया पर मिली थीं धमकियां

वाई प्लस सिक्योरिटी और किसको मिली?

अमृता फडणवीस ही नहीं बल्कि बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को भी जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। सलमान खान की भी सुरक्षा बढ़ाकर वाई प्लस क्षेणी की कर दी है। गौरतलब है कि पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से सलमान खान को लंबे समय से जान से मारने की धमकी दी जा रही है। दिल्ली पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी जिसमें बताया गया था कि सलमान खान की जान को खतरा है।

अक्षय कुमार को एक्स श्रेणी की सुरक्षा

राज्य के खुफिया विभाग द्वारा प्रतिष्ठित व्यक्तियों के जीवन पर खतरों के आकलन के बाद तैयार रिपोर्ट के आधार पर ये वर्गीकरण किया गया है। इसके अलावा अभिनेता अक्षय कुमार को एक्स श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। वे जब भी घर से बाहर जाएंगे, एक सशस्त्र कर्मी उनकी सुरक्षा में तैनात रहेगा। सूत्रों के अनुसार सुरक्षा कर्मियों का खर्च संबंधित शख्सियत द्वारा वहन किया जाता है।

भारी बारिश से बेहाल हुई चेन्नई, अब तक 2 की मौत, 7 जिलों में स्कूल–कॉलेज बंद

तमिलनाडु। तमिलनाडु में बारिश थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। राजधानी चेन्नई में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण यातायात पूरी तरह से ठप पड़ चुका है। पिछले दो दिनों से हो रही बारिश के बाद चेन्नई के कई हिस्सों में जलभराव हो गया है।आज चेन्नई समेत कई राज्यों के स्कूल और कॉलेज को बंद कर दिया गया है। चेन्नई में ईस्ट एवेन्यू और कोरत्तूर इलाके की वीडियो न्यूज एजेंसी एएनआइ ने शेयर की है जिसमें देखा जा सकता है कि पानी आवासीय क्षेत्रों में प्रवेश कर गया है।

बारिश से अब तक दो लोगों की मौत

मंगलवार रात से हो रही बारिश से अब तक 2 लोगों की मौत हो गई है। शहर के कई इलाकें जलमग्न हो गए है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए तमिलनाडु सरकार ने बुधवार सुबह, चेन्नई, तिरुवल्लूर और रानीपेट जिलों के स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी में छुट्टी की घोषणा कर दी है। भारतीय मौसम विभाग ने चेन्नई, गलपट्टू, तिरुवल्लूर और कांचीपुरम जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की भविष्यवाणी की है।

चेन्नई में बारिश ने तोड़ा 30 साल का रिकॉर्ड–चेन्नई में मंगलवार सुबह 8:30 बजे से बुधवार सुबह 5:30 बजे तक 126.1 मिमी बारिश हुई। बता दें कि मंगलवार को चेन्नई में 8.4 सेमी बारिश दर्ज की गई थी, जिसके बाद चेन्नई में बारिश ने 30 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। बारिश को देखते हुए दो मेट्रो को बंद कर दिया गया है और शहर में ट्रैफिक जाम और वाहनों की धीमी आवजाही भी देखने को मिल रही है।

● तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई का बारिश से बहुत बुरा हाल हो रखा है। बारिश के कारण चेन्नई समेत 7 राज्यों के स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए। मौसम विभाग ने चेन्नई गलपट्टू तिरुवल्लूर और कांचीपुरम जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की भविष्यवाणी की है।

तमिलनाडु में बंद रहेंगे स्कूल–बारिश से चेन्नई का इस समय हाल बहुत बुरा है। बारिश को देखते हुए आज चेन्नई समेत रानीपेट, तिरुवल्लूर, वेल्लोर, कांजीपुरम, विलुपुरम और चेंगलपट्टू में स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे।ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने गणेशपुरम जैसे सबवे सहित कई क्षेत्रों का निरीक्षण किया। बाढ़ की चपेट में आने वाले इलाकों में बाढ़ निगरानी कैमरे भी लगाए गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मोरबी का मातम

कहा जा रहा है कि एक चर्चित घड़ी निर्माण करने वाली जिस कंपनी के साथ मोरबी नगरपालिका ने अनुबंध किया था, उस अनुबंध में व्यावसायिक उपयोग की तो विस्तृत चर्चा रही, लेकिन सुरक्षा उपायों को लेकर गंभीर पहल होती नजर नहीं आयी। जबकि झूला पुल के रखरखाव के साथ ही सुरक्षा, सफाई आदि की जिम्मेदारी भी कंपनी की ही बनती थी। पुल को मार्च में नवीनीकरण हेतु आठ से बारह महीने के लिये बंद कर दिया गया था।

तय हो आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही/ एक सदी पहले मोरबी के राजाओं की आधुनिक व प्रगतिशील सोच का पर्याय माना जाने वाला सस्पेंशन ब्रिज तंत्र की काहिली से मौत का तांडव रच गया। सवा सौ से अधिक निर्दोष लोगों की मौत अपने पीछे कई सवाल छोड़ गई है। निस्संदेह, इस झूला पुल की मरम्मत व रखरखाव का ठेका लेने वाले मोरबी के औद्योगिक घराने ओरेवा ग्रुप की जवाबदेही तो तय होनी ही चाहिए, लेकिन उन अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने बिना फिटनेस सर्टिफिकेट दिये लोगों के लिये पुल को खोल दिया। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि पुल को निर्धारित समय से पहले सार्वजनिक उपयोग के लिये खोला गया। कहा जा रहा है कि ऐसा दिवाली की छुट्टियों व गुजराती नववर्ष के चलते किया गया। कहा जा रहा है कि एक चर्चित घड़ी निर्माण करने वाली जिस कंपनी के साथ मोरबी नगरपालिका ने अनुबंध किया था, उस अनुबंध में व्यावसायिक उपयोग की तो विस्तृत चर्चा रही, लेकिन सुरक्षा उपायों को लेकर गंभीर पहल होती नजर नहीं आयी। जबकि झूला पुल के रखरखाव के साथ ही सुरक्षा, सफाई आदि की जिम्मेदारी भी कंपनी की ही बनती थी। पुल को मार्च में नवीनीकरण हेतु आठ से बारह महीने के लिये बंद कर दिया गया था। अब कहा जा रहा है कि मरम्मत के बाद पुल को निर्धारित अवधि से पहले लोगों के उपयोग के लिये खोल दिया गया। पहली नजर में हादसे में लापरवाही नजर आती है। दुनिया में जहां इस तरह के झूला पुलों का निर्माण किया गया है, वहां एक सीमित संख्या में लोगों को पुल से गुजरने की अनुमति होती है। हादसे के वक्त चार सौ के करीब लोगों की मौजूदगी की बात कही जा रही है। अब यह जांच का विषय है कि पुल की मरम्मत में गुणवत्ता में कमी थी या मरम्मत के बाद पुल ज्यादा लोगों के बोझ को सहन नहीं कर पाया। भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो, उसके लिये दुर्घटना के कारणों की तह तक जाने की सख्त जरूरत है। उल्लेखनीय है कि एक सदी पहले मोरबी में बने पुल को इंजीनियरिंग का चमत्कार बताया जाता था। दरअसल, आधुनिक यूरोपीय तकनीक के इस्तेमाल से बना पुल लोहे की जंजीरों से बने केबल तारों पर आधारित था और हवा के प्रवाह के साथ झूलता नजर आता था। तभी ऐसे पुलों को झूला पुल भी कहा जाता है। बहरहाल, जैसा कि हर हादसे के बाद होता है, बचाव कार्य में तेजी और मुआवजे की घोषणा की बात कही जा रही है। इस बाबत पांच सदस्यीय जांच समिति भी बना दी गई है। जरूरत इस बात की है कि हादसे का सच सामने आये। साथ ही दोषियों को सख्त सजा मिले ताकि यह दंड एक नजीर बने और फिर कोई आपराधिक लापरवाही करने की हिमाकत न कर सके। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करके नौ लोगों को गिरफ्तार करने की बात कही है। जिसमें ओरेवा ग्रुप के मालिक, कर्मचारी व सुरक्षा गार्ड शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि मरम्मत का ठेका लेने वाली कंपनी के साथ मोरबी नगरपालिका के साथ हुए अनुबंध में झूला पुल पर एक समय में बीस से पच्चीस लोगों के ही जाने की बात तय हुई थी। तो फिर पुल पर सैकड़ों की संख्या में लोगों की उपस्थिति की अनुमति क्यों दी गई? सवाल यह भी है कि पुल को खोलने से पहले क्या उसकी भार वहन क्षमता की जांच की गई थी? तो क्या मुनाफे का लालच दुर्घटना का कारक रहा है? इन सभी सवालों के जवाब जांच के बाद ही सामने आएंगे, लेकिन माच्छू नदी पर हुए इस पुल हादसे की पुनरावृत्ति रोकने के लिये देश भर में सजगता-सतर्कता की जरूरत है। सिर्फ नौ लोगों को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने से हादसे की भरपाई नहीं होगी।

सूक्ति

उत्तम पुरुषों की संपत्ति का मुख्य प्रयोजन यही है कि औरों की विपत्ति का नाश हो।
- रहीम

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
- तुलसीदास

लॉफिंग ज़ोन

बंता अमेरिका गया था। एक दिन वह वहां के एक किराने दुकान में गया। जरूरत की सारी चीजें चुनकर वह काउंटर पर आया।

वहां खड़े कर्मचारी ने बिल बनाकर उसकी तरफ बढ़ा दिया। मगर बंता उनसे फैट मांगने लगा, मेरा फैट कहां है? कर्मचारी उसकी बात समझ नहीं रहे थे। अंत में बंता चीखने-चिल्लाने लगा।

उसकी चिल्लाहट सुनकर दुकान में खड़े सभी लोग वहां जुट गए। दुकान का मैनेजर भी बंता के पास आ गया। मैनेजर को देखते ही बंता ने चीखते हुए कहा, ओए मैनेजर, मैंने यह दही खरीदा है। इसके ऊपर लिखा है फैट फ्री, अब बताओ तुम्हारे लोग मुझे फैट नहीं दे रहे हैं।

☺ ☺ ☺

शराबी : हे भगवान ! क्या आप मेरी शराब छुडवा देंगे ?

भगवान : जरूर वत्स।

शराबी : तो मेरी 14 शराब की बोतलें पुलिस ने जब्त कर ली हैं , उन्हें छुड़वा दीजिए प्लीज. !

☺ ☺ ☺

संता काफी परेशान था। उसने अपने दोस्त से कहा - यार मुझे तेलुगु सीखनी है , वह भी छह महीने में।

दोस्त- क्यों यार ?

संता - हमने तेलुगु बच्चा अडॉप्ट किया है। जब वह छह महीने बाद बोलने लगेगा तो हम उसके साथ बात कैसे करेंगे ?

तीर्थों के जीर्णोद्धार से खुलती विकास की राह

विशेषज्ञ कहते हैं, अगले बरस तक रुपया अभी और गिरेगा। शायद एक डॉलर पच्चासी रुपये तक चला जाये। इसलिये व्यापार शेष की यह खाई और गहरी होगी। अब इस बढ़ती खाई से निकलने का प्रश्न उभरा जिसका उत्तर दीपोत्सव के दिनों में देश की धर्मपरायण जनता ने एक मौलिक ढंग से दे दिया है कि आस्था के विकास के साथ अपने देश की पहचान और उसके सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्द्धन से देश के आर्थिक मूल्यों के संवर्द्धन को भी जोड़ा जा सकता है।

सांस्कृतिक आर्थिकी/सुरेश सेठ

महामारी के कारण दो बरस के प्रतिबंधों के दौर में देश की आम जिंदगी कैसे ठहर गयी थी, इसका अहसास दिवाली के हाल के दिनों में नागरिकों के अति उत्साह से बाहर आकर बाजारों में बढ़-चढ़कर खरीदारी करने से हो गया है। लगा नहीं कि देश में ऊंची महंगाई और महामंदी का विरोधाभास चल रहा है। अब तक आरबीआई ने कीमत नियंत्रक मौद्रिक नीति में चार बार रेपो रेट बढ़ाकर और कर्ज़-ईएमआई महंगी कर अतिरिक्त मांग कम करने एवं तरलता प्रवाह घटाने का निरंतर प्रयास किया था। लेकिन कोरोना संक्रमण से मुक्त होते माहौल में देशवासियों द्वारा पुनः सामान्य जिंदगी जी लेने का इतना उत्साह उभरा है कि बढ़ती ईएमआई की परवाह किये बिना दिवाली के दिनों में ऑटो क्षेत्र में कारों की रिकार्ड बुकिंग हुई, और अब बढ़िया कारों की कई महीनों की वेटिंग चल रही है। वैसे डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के गिरते मूल्य के बावजूद, सत्ता पक्ष के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष निर्यात में रिकार्ड वृद्धि हुई। लेकिन हमारी अर्थव्यवस्था आयात आधारित है। फिर ऊर्जा के लिये कच्चे तेल और प्राकृतिक एवं ईंधन गैस का पिचासी प्रतिशत विदेशों से मंगवाने की मजबूरी तो है ही। इसलिए बढ़ते निर्यात के मूल्यांकन का बंटाधार तो डॉलर के मुकाबले रुपये के चौरासी रुपये तक गिरने ने कर दिया, और आयात के लिये डॉलर के मुकाबले अधिक रुपये देने की मजबूरी ने व्यापार शेष को तनिक भी कम नहीं होने दिया। विशेषज्ञ कहते हैं, अगले बरस तक रुपया अभी और गिरेगा। शायद एक डॉलर पच्चासी रुपये तक चला जाये। इसलिये व्यापार शेष की यह खाई और गहरी होगी। अब इस बढ़ती खाई से निकलने का प्रश्न उभरा जिसका उत्तर दीपोत्सव के दिनों में देश की धर्मपरायण जनता ने एक मौलिक ढंग से दे दिया है कि आस्था के विकास के साथ अपने देश की पहचान और उसके सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्द्धन से देश के आर्थिक मूल्यों के संवर्द्धन को भी जोड़ा जा सकता है। उत्सव के ये दिवस बता गये हैं कि अपने धर्म के प्रति समर्पण का अर्थ दूसरे धर्म के प्रति कटुता नहीं। लेकिन अपने धर्म के प्रति समर्पित हो, अपने खोये हुए जीवन मूल्य तलाश लेना कोई गुनाह नहीं। दीपोत्सव के दिनों में प्रधानमंत्री मोदी ने बद्रीनाथ और केदारनाथ की यात्रा में भक्तों की श्रद्धा को आधुनिकता के साथ जोड़ देश को इस नये रास्ते पर चलने का संदेश दे दिया। बेशक आस्था के ये केंद्र मंदी, बेकारी, भ्रष्टाचार और महंगाई से ग्रस्त जिंदगी की प्राणशक्ति बन सकते हैं। असल में, भौतिकवादी मूल्यों के प्रसार के साथ सर्वोपरि छद्म मानसिकता ने धर्मस्थलों को हमारा संबल नहीं बनने दिया। 2047 तक देश को सही अर्थों में विकसित बनाने के लिए विकास के पथ पर निरंतर चलने का संदेश सब को मिल चुका है। ऐसे में अगर धर्मस्थानों के उद्धार के साथ लोगों की मानसिकता बदल कर इन्हें एक आदर्श जीवन का विस्तार दे दिया जाये तो इसमें गलत क्या है? आज अयोध्या, काशी और उज्जैन अपने प्राचीनतम गौरव को हासिल कर रहे हैं। उज्जैन के महाकाल मंदिर के गलियारे में मोदी का मंत्र पाठ या केदारनाथ की एक गुफा में घंटों एकान्त साधना क्या यह नहीं बताती कि अपना-अपना स्वार्थ साधने से हटकर एक रास्ता और भी है, आध्यात्मिक मूल्यों की फिर तलाश का रास्ता। अयोध्या में दिवाली पर रिकार्ड स्तर पर लाखों दीयों का दीप्त हो जाना, क्या यह नहीं बताता कि इस देश में राम के आदर्श मूल्यों का स्वीकार होना चाहिए? लाखों दीयों ने राम को वापस पाने की पुकार की है। यह पुकार वंदना बन पूरे देश से होनी चाहिए- सब धर्मों के सम्मान के साथ नये जीवन मूल्यों के स्वागत की। धर्मस्थानों के इस पुनरुत्थान का स्वागत जो नये भारत के नागरिक करें, वे आर्थिक रूप से अपनी कर्मठता के बल पर खड़े हों। देश आत्मनिर्भर बने, उसकी आयात आधारित अर्थव्यवस्था की पहचान बदलनी चाहिए। सांस्कृतिक संवर्द्धन देश के आर्थिक संवर्द्धन की उपेक्षा करके नहीं हो सकता। तभी तो प्रधानमंत्री ने जर्जर मंदिरों के कायाकल्प के साथ इसी क्षेत्र में 12.4 किलोमीटर लंबे गौरीकुंड-केदारनाथ हेमकुंड साहिब रोपवे के निर्माण के संकल्प के साथ 9.7 किलोमीटर लंबे गौरीकुंड-केदारनाथ राजमार्ग के निर्माण की घोषणा भी की है। 3400 करोड़ रुपये की सड़क और राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। मंतव्य यही है कि विकास यात्रा जहां हर धर्म के धर्मस्थानों के प्रति एक जैसे सम्मान की हो, वहां धार्मिक पर्यटन को भी पूरा बढ़ावा दे सके। पर्यटन स्थल केवल इन धर्मस्थलों के जीर्णोद्धार से भी नहीं बनेंगे, बल्कि हमारी सरहद पर स्थित हर आखिरी गांव भी हमारा प्रहरी है। उनका विकास भी हो, पर्यटक यहां तक आयें। राष्ट्र की अखंडता को बनाये रखने के लिए अपने पर्यटन व्यय से कुछ बचा कर यहां की स्थानीय दस्तकारियों पर व्यय कर दें? उद्देश्य इनकी लोककला को ही घर-घर तक पहुंचा कर 'भारत एक है' का संदेश देना नहीं, बल्कि इन पिछड़े हुए इलाकों को आत्मनिर्भरता का एक स्थायित्व देना भी है। निःसंदेह दूरस्थ इलाकों में छिटके हुए यह कुटीर और घरेलू उद्योग देश के नये श्रम मंदिर हैं। धर्मपरायण मूल्यों में हमारा नवजागरण अगर 'माणा' जैसे देश के आखिरी गांवों तक हमारे संतुलित आर्थिक विकास का संदेश ले जाता है, तो इससे बड़ा सांस्कृतिक गौरव देश के विकास की कतार में खड़े आखिरी लोगों के लिए और क्या होगा?

आज विश्व में कई देश भारतीय मूल के नागरिकों को कर रहे हैं उच्च पदों पर आसीन

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

अभी हाल ही में भारतीय मूल के राजनेता श्री ऋषि सुनक ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। इस समाचार से स्वाभाविक रूप से भारतीय समाज में भी खुशी की लहर दौड़ गई। परंतु, ब्रिटेन के अलावा विश्व के अन्य 7 देशों में भी भारतीय मूल के राजनेताओं ने प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति का पद सम्भाला हुआ है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति श्रीमती कमला हैरिस भारतीय मूल की हैं। इसी प्रकार भारतीय मूल के श्री प्रविंद जगन्नाथ वर्तमान में मॉरिशस के प्रधानमंत्री हैं। भारतीय मूल के ही श्री भरत जगदेव 2020 से गुयाना के उपराष्ट्रपति हैं। भारतीय मूल के एंटोनियो कास्टा वर्तमान में पुर्तगाल के प्रधानमंत्री है। श्री चंद्रिका प्रसाद उर्फ श्री चान संतोखी वर्तमान में सूरीनाम के राष्ट्रपति है। सिंगापुर की वर्तमान राष्ट्रपति हलीमा भी भारतीय मूल की हैं। गुयाना के वर्तमान राष्ट्रपति श्री मोहम्मद इरफान अली भी भारतीय मूल के हैं। एक अन्य आलेख में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, अभी तक विश्व के 25 देशों में भारतीय मूल के लगभग 313 राजनेता किसी न किसी महत्वपूर्ण राजनैतिक पद को सुशोभित कर चुके हैं। भारतीय मूल के नागरिकों ने 10 देशों में 31 बार प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति के रूप में सत्ता संभाली है। भारत के पड़ोसी देश मॉरिशस में 10 बार, सूरीनाम में 5, गयाना में 4, सिंगापुर, त्रिनिदाद और टोबैगो में 3-3 बार, पुर्तगाल में 2, फिजी, आयरलैंड और सेशेल्स में 1-1 बार भारतीय मूल के राजनेता प्रधानमंत्री रहे हैं। कनाडा में तो 19 प्रमुख राजनेता ऐसे हैं, जो भारतीय मूल के हैं। इनमें 8 राजनेता वहां की सरकार में भी शामिल हैं। लगभग यही स्थिति आज अमेरिका में भी पाई जा रही है। आज पूरे विश्व में 3.2 करोड़ से अधिक अप्रवासी भारतीय निवास कर रहे हैं। करीब 25 लाख भारतीय प्रतिवर्ष भारत से अन्य देशों में प्रवास के लिए चले जाते हैं। विदेश में बस रहे भारतीयों ने भारतीय संस्कृति का झंडा बुलंद करते हुए भारत की साख को न केवल मजबूत किया है बल्कि इसे बहुत विश्वसनीय भी बना दिया है। अप्रवासी भारतीयों ने अपनी कार्यशैली से अन्य देशों में स्वयं को तो स्थापित किया ही है, साथ ही इन देशों में अपने लिए कई अनगिनत उपलब्धियां भी अर्जित की हैं। इन देशों में निवास कर रहे अप्रवासी भारतीय वहां के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक क्षेत्रों में अपनी भागीदारी भी बढ़ाते जा रहे हैं। तीन विभिन्न कालखंडों में भारतीय नागरिक विभिन्न देशों में प्रवास पर भेजे गए थे अथवा वे स्वयं गए थे। सबसे पहिले तो भारत पर अंग्रेजों के शासनकाल के दौरान लाखों की संख्या में भारतीय, श्रमिकों के तौर पर, ब्रिटिश कालोनियों (ब्रिटेन द्वारा शासित देशों) में भेजे गए थे। आज इन देशों में भारतीयों की आगे आने वाली पीढ़ियां बहुत प्रभावशाली बन गई हैं एवं इनमें से कुछ तो इन देशों में प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति के पदों तक पहुंच गए हैं। जैसे, मारिशस में भारतीय मूल के सर शिवसागर रामगुलाम मारिशस के प्रथम मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री एवं छठे गवर्नर-जनरल रहे हैं। आप सनातन हिन्दू धर्म के अनुयायी थे एवं हिन्दी भाषा के पक्षधर और मारिशस में भारतीय संस्कृति के पोषक रहे हैं। आपके कार्यकाल में मारिशस में हिन्दी के पठन-पाठन में बहुत उन्नति हुई। आगे चलकर भारतीय मूल के ही श्री अनिरुद्ध जगन्नाथ भी मारिशस के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति दोनों पदों पर रहे। दक्षिणी अमेरिका के गयाना देश में भारतीय मूल के श्री छेदी भरत जगन को देश के सबसे बड़े नेताओं में गिना जाता है। आपको वहां राष्ट्रपिता के रूप में देखा जाता है। आप ब्रिटिश गयाना के प्रधानमंत्री रहे एवं बाद में स्वतंत्र गयाना के राष्ट्रपति भी रहे। त्रिनिदाद एण्ड टोबैगो में भारतीय मूल की सुश्री कमला प्रसाद बिसेसर प्रधानमंत्री के पद को सुशोभित कर चुकीं हैं। इसी प्रकार भारतीय मूल के श्री महेंद्र पाल चौधरी भी फिजी में प्रधानमंत्री बने थे। भारतीय मूल के श्री वैवेल रामकलावन हिंद महासागर के द्वीपीय देश सेशेल्स के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। 43 वर्ष बाद सेशेल्स में विपक्ष का कोई नेता राष्ट्रपति निर्वाचित हुआ। इसी प्रकार कोस्टा पुर्तगाल, सूरीनाम एवं पूर्वी अफ्रीका के देशों में भी भारतीय मूल के कई व्यक्ति इन देशों के उच्चत्तम पदों पर पहुंचे हैं। भारतीय मूल के ही श्री देवन नायर सिंगापुर के राष्ट्रपति रह चुके हैं एवं आपने सिंगापुर में नेशनल ट्रेड यूनियन की स्थापना की थी। इसके बाद भारतीय मूल के ही श्री एस आर नाथन भी सिंगापुर के राष्ट्रपति रहे हैं। वर्ष 1999 से 2011 तक के खंडकाल में आप इस पद पर बने रहे थे। भारत द्वारा अंग्रेजों से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद, एक बड़ी संख्या में भारतीय अन्य देशों में जाकर अप्रवासी भारतीय के तौर पर बस गए थे। उस समय पर इनमें से एक बहुत बड़ा वर्ग किसी न किसी प्रकार की तकनीकी दक्षता जैसे कारीगर, पलंबर, इलेक्ट्रिशियन, आदि हासिल किए हुए था। इन लोगों को 'ब्लू कोलर' रोजगार आसानी से उपलब्ध हो रहे थे और ये भारतीय एक बड़ी संख्या में अधिकतर सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात, कतर एवं अन्य मिडिल ईस्ट देशों में अप्रवासी भारतीय बनकर रहने लगे।

उस समय पर इन देशों में अप्रवासी भारतीयों को छोटे छोटे दुकानों पर भी रोजगार आसानी से उपलब्ध हो रहा था। इसके बाद 1970 के दशक एवं इसके बाद के कालखंड में भारत से बुद्धिजीवी, प्रोफेशनल एवं पढ़े लिखे वर्ग के लोग भी अन्य देशों की ओर आकर्षित होने लगे एवं अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, फ्रान्स, इटली आदि देशों में जाकर अप्रवासी भारतीय के रूप में बस गए। आज ये अप्रवासी भारतीय इन देशों में इंजीनीयर, डॉक्टर, प्रोफेसर, आदि अच्छे पदों पर कार्यरत हैं। इनमें से कई तो आज इन देशों की बड़ी बड़ी कम्पनियों में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के रूप में भी बहुत सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। अमेरिका एवं ब्रिटेन जैसे अन्य कई देशों में तो आज सबसे अधिक डाक्टर एवं इंजीनीयर भारतीय मूल के लोग ही हैं एवं इन देशों के वित्तीय क्षेत्र में भी भारतीय मूल के लोग सबसे अधिक पाए जाते हैं। इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं को गति देने में इन अप्रवासी भारतीयों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।। विशेष रूप से वर्ष 2014 के बाद एक बड़ा बदलाव भी देखने में आ रहा है। वह यह कि अब भारतीय मूल के लोग इन देशों में भारत की आवाज बन रहे हैं इससे इन देशों में भारत की छवि में लगातार सुधार दृष्टिगोचर है। पूर्व के खंडकाल में भारत की पहिचान एक गरीब एवं लाचार देश के रूप में होती थी। परंतु, आज स्थिति एकदम बदल गई है एवं अब भारत को इन देशों में एक सम्पन्न एवं सशक्त राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है। हाल ही के समय में अन्य देशों में भारतीयों की विश्वसनीयता एवं साख भी बहुत बढ़ी है क्योंकि विशेष रूप से वर्ष 2014 के बाद से भारत की राजनीति बहुत संतुलित एवं स्थिर रही है।

(चिंतन-मनन)

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत् आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है। सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है। कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतःकरण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

तीन माह में 85 हजार करोड़ का सोना बिका भारत में

मुंबई । भारत में सोना घर-घर की पहली पसंद है। भारत में सोने की खपत को लेकर सारा विश्व आश्चर्यचकित होता है। जुलाई से सितंबर 2022 के बीच भारत में 85010 करोड़ रुपए के सोने की खरीदारी भारतीयों ने की है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले इस वर्ष भारतीयों ने 13380 करोड़ रुपए का ज्यादा सोना खरीदा है। जून से सितंबर 2021 की तिमाही में 71630 करोड रुपए का सोना बिका था। काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष 168 टन सोने के मुकाबले इस वर्ष सोने की बिक्रीसमान अवधि में 191.7 टन रही। जो पिछले वर्ष के मुकाबले 14 फ़ीसदी ज्यादा है।

ट्विटर पर ब्लू टिक के लिए होंगे 8 डॉलर

नई दिल्ली । ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने ट्वीट कर बताया कि अब ब्लू टिक के लिए यूजर्स को हर महीने 8 डॉलर यानी करीब 600 रुपए चुकाने होंगे। मस्क ने इसे लेकर लागातार कई ट्वीट किए। ब्लू टिक के शुल्क को लेकर कई दिनों से चर्चा चल रही थी। ट्विटर के नए मालिक और टेस्ला कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि ट्विटर पर ब्लू टिक किसके पास है किसके पास नहीं, इसका मौजूदा तरीका बकवास और सामंतवादी है। लोगों के हाथों में ताकत होनी चाहिए। ट्विटर पर ब्लू टिक के लिए हर महीने अब 8 डॉलर (600 रुपए) चुकाने होंगे। एलन मस्क ने इसके साथ ट्वीट के जरिए और भी जानकारियां दी हैं। मस्क ने बताया कि अगर कोई यूजर ब्लू टिक के 8 डॉलर दे रहा है तो उसे क्या-क्या दिया जाएगा। मस्क ने बताया ब्लू टिक वालों को रिप्लाई, सर्च और मेंशन में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्हें लंबे वीडियो और ऑडियो पोस्ट करने की सुविधा दी जाएगी। विज्ञापन भी पहले के मुकाबले आधे ही होंगे। एलन मस्क ने आगे लिखा कि पेवॉल के जरिए पब्लिशर्स को हमारे साथ काम करने का मौका मिलेगा।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपये में गिरावट दर्ज की गयी है। इससे रुपया अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा की तुलना में 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.78 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले रुपया 82.64 पर खुला और बाद में यह 82.62 के उच्चस्तर और 82.81 के निचले स्तर पर पहुंचा। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। वहीं गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.59 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। बाजार सूत्रों ने कहा कि निवेशकों की निगाह फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) के बयान पर होगी जिसके कारण डॉलर में यह बदलाव आ रहा है। वहीं विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 फीसदी की तेजी के साथ 111.17 पर था।

सोने में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें बढ़ी हैं जबकि चांदी में गिरावट आई है। दिल्ली में बुधवार को सोने की कीमते 155 रुपये बढ़कर 52,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गयीं। इसके अलावा सोने का हाजिर भाव मुंबई में 52,315 रुपये, अहमदाबाद में 52,370 रुपये, बेंगलुरु में 52,310 रुपये, चेन्नई में 52,330 रुपये और हैदराबाद में 52,305 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया। वहीं घरेलू वायदा बाजार में भी सोने की कीमतों में तेजी दर्ज की गयी है। इससे सोना 0.47 फीसदी या 238 रुपये बढ़कर 50,740 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर चांदी की कीमतें गिरी हैं। दिल्ली में चांदी 465 रुपये की गिरावट के साथ ही 60,490 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। वहीं अहमदाबाद में चांदी 60,360 रुपये, बेंगलुरु में 60,550 रुपये, चेन्नई में 60,400 रुपये, हैदराबाद में 60,400 रुपये, जयपुर में 60,455 रुपये और मुंबई में 60,460 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। दूसरी ओर चांदी की घरेलू वायदा कीमतों में भी उछाला आया है। एमसीएक्स पर चांदी 2.24 फीसदी या 140 रुपये की उछाल के साथ 58,986 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती दिखी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में यह गिराट अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले बिकवाली हावी होने से आयी है। माना जा रहा है कि फेड महंगाई को नियंत्रित करने के लिए जो बड़ी वृद्धि करेगा। उसी की आशंका से बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 215.26 अंक तकरीबन 0.35 फीसदी नीचे आकर 60,906.09 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी में 62.60 अंकों तकरीबन 0.34 फीसदी फिसलकर 18,082.80 अंक पर बंद हुआ। बैंक निफ्टी में आज 142.90 अंकों करीब(0.35 फीसदी) की गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह भारतीय बाजारों की सपाट शुरुआत रही। इसके बाद दोपहर तक बाजार में आधे फीसदी की गिरावट आयी। बाजारा जानकारों का मानना है कि जब तक निफ्टी 18,000 के स्तर से नीचे नहीं गिरता है, तब तक बाजार ऊपर नहीं जाएगा। बाजार में बदलावों को मापने वाला इंडिया विक्स आज लगभग 4 फीसदी बढ़कर बंद हुआ है। बाजार में इंडिया विक्स का बढ़ना अनिश्चतता का संकेत है। इसके विपरीत इंडिया विक्स शांत होता है तो उसे बाजार में शांति और प्रगति का संकेत माना जाता है। वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और

हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे जबकि जापान का निक्की गिरावट पर रहा। वहीं यूरोपीय बाजारों से मिले-जुले संकेत मिले हैं। इससे पहले गत दिवस अमेरिकी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.17 फीसदी बढ़कर 94.81 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

आकाश एयर 23 नवंबर से बेंगलुरु-पुणे मार्ग पर उड़ानें शुरू करेगी

मुंबई ।

विमानन कंपनी आकाश एयर बेंगलुरु–पुणे मार्ग पर 23 नवंबर से उड़ान भरेगी। कंपनी ने इसकी जानकारी देकर कहा कि इस उड़ान के साथ यह शहर नई एयरलाइन के नेटवर्क में नौवां गंतव्य होगा। इसमें कहा गया है कि सात अगस्त को परिचालन शुरू करने वाली आकाश एयर को नवंबर के अंत तक लगभग 58 दैनिक उड़ानें और 400 साप्ताहिक उड़ानें पार करने की उम्मीद है। एयरलाइन ने कहा कि बढ़ती मांग के कारण बेंगलुरु और मुंबई के बीच संपर्क सुविधा 23 नवंबर से बढ़ाई जाएगी। इससे इस मार्ग पर दैनिक उड़ानें सात होगी। आकाश एयर 23 नवंबर को बेंगलुरु और पुणे के बीच सेवाएं शुरू करने के बाद 26 नवंबर से इस मार्ग पर दूसरा फेरा शुरू करेगी। आकाश एयर अब बेंगलुरु से सात शहरों, मुंबई, अहमदाबाद, दिल्ली, चेन्नई, कोच्चि, गुवाहाटी और पुणे को जोड़ने वाली 20 दैनिक उड़ानों की पेशकश करेगी।

टाटा आईफोन के कॉम्पोनेंट बनाने 45,000 लोगों को करेगी भर्ती

- कंपनी अगले 18 से 24 महीनों में कर सकती है कर्मचा रियों की भर्ती

नई दिल्ली । टाटा समूह दक्षिणी भारत में अपने इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्ट्री में करीब 45,000 महिला श्रमिकों को रोजगार देने पर` विचार कर रही है। कंपनी अगले 18 से 24 महीनों में यह लक्ष्य पूरा करना चाह रही है। गौरतलब है` कि टाटा ग्रुप की इस फैक्ट्री में आईफोन के कॉम्पोनेंट तैयार किए जाते हैं। कंपनी ऐसा ऐपल इंक से और अधिक व्यापार प्राप्त करने की मंशा से कर रही है। इस फैक्ट्री में अभी करीब 10,000 कर्मचारी काम करते हैं और इनमें से अधिकांश महिलाएं ही हैं। इस प्लांट में आईफोन की केसिंग तैयार की जाती है। बता दें कि ऐपल चीन के बाहर अन्य देशों में आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग को और अधिक बढ़ाने का प्रयास कर रही है। टाटा उन भारतीय कंपनियों में शामिल हैं जो मैन्युफैक्चरिंग के लिए ऐपल के सामने विकल्प पेश कर रही हैं। तमिलनाडु स्थित इस प्लांट में सितंबर में लगभग 5,000 महिलाओं को नौकरी पर रखा गया था। यहां इन्हें 16000 रुपए का मासिक वेतन दिया जाता है जो भारत में इस तरह के कार्य में लगे श्रमिकों के औसत वेतन से 40 फीसदी अधिक है। इसके अलावा इस प्लांट के अंदर इन्हें रहने व खाने की मुफ्त सुविधा दी जाती है। टाटा इनके प्रशिक्षण की भी योजना बना रही है। इस मामले में अभी दोनों ही कंपनियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि ये बात अब जाहिर हो चली है कि ऐपल चीन में कारोबार को घटाने का प्रयास कर रहा है। दरअसल केवल ऐपल ही नहीं अन्य कई कंपनियां ऐसा कर रही हैं। कोविड-19 के दौरान वहां लगे सख्त लॉकडाउन की वजह से वहां आपूर्ति श्रृंखला बड़े पैमाने पर बाधित हो रही है। इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच तनाव भी इसे कुछ हद तक हवा दे रहा है। इसलिए अमेरिका कंपनियां भारत और फिलिपींस को विकल्पों के रूप में देख रही हैं।

अर्थव्यवस्था को गिरने से रोकने के लिए जल्दबाजी में सख्त कदम उठाने से बचे: दास

मुंबई:

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को अपनी नीतियों का बचाव करते कहा कि अगर समय से पहले ब्याज दरों को सख्त करना शुरू कर दिया होता तो अर्थव्यवस्था में वृद्धि नीचे की ओर मुड़ जाती। दास ने बुधवार को यहां बैंकरों के वार्षिक एफआईबीएसी सम्मेलन में मुद्रास्फीति लक्ष्य से चूकने के लिए आलोचना के बीच यह कहा है। दास ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया में मजबूत और आशावाद की कहानी के रूप में देखा जा रहा है और मुद्रास्फीति के अब नरम होने की उम्मीद है। यह स्वीकार करते हुए कि बढ़ती मुद्रास्फीति के कारण केंद्रीय बैंक अपने प्राथमिक लक्ष्य से चूक गया है, दास ने कहा कि 'प्रतितथ्यात्मक% पहलू की भी सराहना करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''अगर हमने जल्दी सख्त या आक्रामक रुख अपनाया होता तो यह निर्णय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महंगा पड़ता। यह इस देश के नागरिकों के लिए भी महंगा होता और हमें इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती।'' दास ने कहा, ''हमने ब्याज दरों को आक्रामक रूप नहीं बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से प्रभावित होने से रोका है। आरबीआई अर्थव्यवस्था में सुधार की प्रक्रिया को बाधित नहीं करना चाहता और इसे सुरक्षित स्थिति की तरफ मोड़ना चाहता है।'' उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के लक्ष्य से चूकने को लेकर सरकार को जवाब देने के लिए ब्याज दर तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बृहस्पतिवार को बैठक कर रही है। आरबीआई गवर्नर ने साथ ही

सरकार को लिखे जाने वाले पत्र को सार्वजनिक न करने के आरबीआई के कदम का भी बचाव किया। आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार अधिक व्यापक, समय पर और लक्षित राजकोषीय, मौद्रिक और नियामकीय नीतियों पर आधारित है। वहीं, रुपए में गिरावट पर चल रही बहस के बीच दास ने सभी से स्थिति को भावनात्मक रूप से नहीं देखने को कहा और जोर दिया कि घरेलू मुद्रा ने व्यवस्थित तरीके से प्रदर्शन किया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) की शुरुआत देश के लिए ऐतिहासिक क्षण है और यह व्यापार करने के तरीके को बदल देगी।

सरकार ने एथनॉल की कीमत बढ़ाई, अगले साल से पेट्रोल में 12 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य

नयी दिल्ली।

केंद्र सरकार ने बुधवार को पेट्रोल में मिलाने के लिए इस्तेमाल होने वाले एथनॉल की कीमत बढ़ा दी। सरकार आयातित तेल पर निर्भरता घटाने के लिए एथनॉल को बढ़ावा दे रही है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने सभी तीन तरह के एथनॉल की कीमतों को बढ़ाने का फैसला किया। दिसंबर, 2022 से शुरू होने वाले आपूर्ति वर्ष के लिए गन्ने के रस से बनने वाले एथनॉल की कीमत को बढ़ाकर 65.60 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। यह अभी 63.45 रुपये प्रति लीटर है। सी-हेवी शीरे से बनने वाले एथनॉल की दर 46.66 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 49.40 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। इसी तरह बी-हेवी शीरे से बनने वाले एथनॉल की दर 59.08 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 60.73 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

इस समय पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथनॉल मिलाया जाता है और सरकार 2024-25 तक इस मात्रा को दोगुना करना चाहती है। उन्होंने कहा, ''हमने किसानों को फायदा पहुंचाने के अलावा 10 प्रतिशत मिश्रण से विदेशी मुद्रा व्यय में लगभग 40,000 करोड़ रुपये की बचत की है।%% उन्होंने कहा कि अप्रैल, 2023 से चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का पायलट परीक्षण शुरू किया जाएगा। गन्ने के रस के साथ टूटे चावल और अन्य कृषि उत्पादों से निकाले गए एथनॉल के उपयोग से भारत को आयातित तेल पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। भारत फिलहाल अपनी 85 प्रतिशत तेल जरूरतों को आयात के जरिये पूरा करता है। पुरी ने कहा कि औसतन 10 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य जून, 2022 में हासिल कर लिया गया, जबकि इसके लिए नवंबर, 2022 का लक्ष्य तय किया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य 2030 से घटाकर 2025-26 कर दिया है।

देश में ट्विटर के 52 हजार अकाउंट्स पर प्रतिबंध

नई दिल्ली । ट्विटर ने अपनी मासिक रिपोर्ट में बताय कि देश में 52,141 अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगा दिय गया है। कंपनी का कहना है कि इनमें चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज, न्यूडिटी और उससे जुड़ी पोस्ट की जा रही थीं। ये अकाउंट्स 26 अगस्त से 25 सितंबर के बीच बंद किए गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्विटर ने आतंकवाद का सपोर्ट करने वाले 1982 अकाउंट्स पर भी कार्रवाई की गई है। दूसरी तरफ मेटा ने देश में 26 लाख वॉट्सऐप नंबर बंद कर दिए हैं। कंपनी ने यह फैसला आईटी रूल्स 2021 के तहत उठाया है। ट्विटर की तरफ से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि उसे यूजर्स की ओर से 157 शिकायतें मिली थीं। इनमें ट्विटर अकाउंट सस्पेंशन की मांग हुई थी। कंपनी ने बताया है कि इन सभी को रिसॉल्व कर दिया गया है। इसके अलावा जरूरी रिस्पांस यूजर्स को भेज दिए गए। दूसरी तरफ मेटा ने मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप के लिए सितंबर 2022 की रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में भारत में 26 लाख वॉट्सऐप नंबर बंद करने की बात कही गई है। सितंबर में नंबर बंद करने के लिए 666 शिकायतें मिली थीं। कंपनी के मुताबिक इस मैसेजिंग ऐप को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर और अधिक जिम्मेदारी के साथ संशोधित किया जा रहा है। देशभर में करीब 500 मिलियन यूजर्स हैं।

अडानी समूह कर्नाटक में अगले सात साल में एक लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा

बेंगलुरु:

अडानी समूह कर्नाटक में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी का विस्तार करना चाहता है और इसके लिए अगले सात वर्ष में वह राज्य में करीब एक लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा। अडानी पोर्ट्स एंड सेज लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) करण गौतम अडानी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अडानी ने बताया कि समूह कर्नाटक में सीमेंट, ऊर्जा, पाइप गैस, खाद्य तेल, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल जैसे कई क्षेत्रों में सक्रिय है और अबतक यहां 20,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश कर चुका है। करण गौतम अडानी ने तीन दिन के 'निवेश कर्नाटक-2022-वैश्विक निवेशक सम्मेलन' के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''कर्नाटक में हम जिन क्षेत्रों में निवेश करेंगे और जिन क्षेत्रों में विस्तार करेंगे, उन्हें मिलाकर अगले सात वर्ष के दौरान लगभग एक लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। विश्व की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा कंपनी होने के नाते अडाणी समूह राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा में अधिक निवेश करेगा।'' कर्नाटक में अडानी समूह के चार सीमेंट विनिर्माण संयंत्र हैं जिनकी कुल क्षमता 70 लाख टन से अधिक है। अडानी ने बताया कि समूह इस क्षेत्र में भी

अपनी मौजूदगी का विस्तार करेगा। इसके अलावा मेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का भी विस्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अडानी विल्मर मेंगलुरु में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है।

रिलायंस, टाटा कंज्यूमर के प्रवेश से पेय श्रेणी का होगा विस्तार: कोका-कोला

नई दिल्ली ।

कोका-कोला के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि पेय श्रेणी में रिलायंस रिटेल और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जैसी बड़ी कंपनियों का प्रवेश सकारात्मक है और इससे इस क्षेत्र के विस्तार में मदद मिलेगी। उन्होंने यहां बातचीत में कहा कि बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा के बावजूद दो घरेलू कंपनियों का प्रवेश एक बड़ा अवसर है और कोका-कोला इंडिया बाजार को और बढ़ाने के लिए निवेश करेगी। संकेत ने हालांकि कहा कि रिलायंस रिटेल और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के आने से स्थानीय स्तर पर कुछ चीजें बदल सकती हैं, लेकिन मूल्य निर्धारण पर असर नहीं पड़ेगा। यह पूछे जाने पर कि नई कंपनियों के आने से बाजार की स्थिति कैसी होगी। उन्होंने कहा` कि यह श्रेणी दैनिक उत्पादों की श्रेणी में सबसे कम है। कोक और पेप्सी के पास इसमें शामिल होने के लिए पर्याप्त बजट नहीं है। गौरतलब है कि रिलायंस रिटेल ने देश में शीतल पेय बाजार में प्रवेश करने के अपने इरादे का संकेत देते हुए घरेलू ब्रांड कैंपा कोला का अधिग्रहण किया था। वहीं टाटा समूह की एफएमसीजी इकाई टीसीपीएल पेय पदार्थ बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है।

कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाया, एटीएफ और डीजल पर शुल्क बढ़ा

नई दिल्ली ।

सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स में कटौती के साथ ही डीजल एवं विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर वृद्धि कर दी। सरकार की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 11,000 रुपए प्रति टन से घटाकर 9,500 रुपए प्रति टन कर दिया गया है। यह कटौती 2 नवंबर से लागू हो गई है। अप्रत्याशित लाभ कर की समीक्षा में सरकार ने डीजल के निर्यात पर कर 12 रुपए से बढ़ाकर 13 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। डीजल पर लगने वाले शुल्क में 1.50 रुपए प्रति लीटर का रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस (आरआईसी) भी शामिल है। इसके अलावा विमान ईंधन के निर्यात पर लगने वाला टैक्स 3.50 रुपए से बढ़ाकर पांच रुपए प्रति लीटर किया गया है। सरकार ने एक जुलाई 2022 को पेट्रोलियम उत्पादों पर अप्रत्याशित लाभ कर लगाने की घोषणा की थी। उस समय पेट्रोल के साथ डीजल और एटीएफ पर यह कर लगाया गया था। बाद की समीक्षा में इसके दायरे से पेट्रोल को बाहर कर दिया गया। पिछली बार 16 अक्टूबर को हुई समीक्षा में घरेलू उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 8,000 प्रति टन रुपए से बढ़ाकर 11,000 रुपए किया गया था। वहीं एटीएफ पर टैक्स को 3.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया था। गौरतलब है कि तब इसके निर्यात पर कोई अप्रत्याशित कर नहीं लग रहा था। डीजल पर विंडफॉल टैक्स को 5 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 10.5 रुपए कर दिया गया था। जब जुलाई में इसे पहली बार लागू किया गया था तब राजस्व सचिव तरुण बजाज ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें मौजूदा कीमत से कम-से-कम 40 डॉलर प्रति बैरल नीचे आ जाएं हो इसे हटा लिया जाएगा। तब कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें 110 डॉलर प्रति डॉलर के पार थीं। फिलहाल ये 100 डॉलर के नीचे हैं।

खाने के तेलों की भंडारण सीमा के आदेश से थोक विक्रेताओं को छूट

नई दिल्ली ।

सरकार ने कीमतों में गिरावट की वजह से खाद्य तेलों एवं तिलहनों के थोक विक्रेताओं और शॉपिंग श्रृंखला खुदरा विक्रेताओं को भंडारण सीमा के आदेश से छूट दे दी। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने खाद्य तेल एवं तिलहन के विक्रेताओं पर से भंडारण सीमा हटाए जाने के आदेश की जानकारी देते हुए कहा कि इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि इस कदम से थोक विक्रेताओं एवं शॉपिंग श्रृंखला खुदरा विक्रेताओं को खाद्य तेलों की अधिक किस्में एवं ब्रांड रखने की छूट मिल जाएगी। फिलहाल भंडारण की एक सीमा होने से उनके पास खाद्य तेलों का सीमित स्टॉक ही रहता था। सरकार ने खाद्य तेलों एवं तिलहन की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए पिछले साल आठ अक्टूबर को खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं एवं थोक उपभोक्ताओं पर भंडारण सीमा लगा दी थी। इसमें भंडारण सीमा तय करने का अधिकार राज्यों को दिया गया था। उसके बाद केंद्र ने तय की गई समान भंडारण सीमा का प्रावधान करते हुए पाबंदी का आदेश 30 जून तक के लिए बढ़ा दिया। बाद में इसे 31 दिसंबर, 2022 तक के लिए बढ़ा दिया गया था। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि देश में खाद्य तेलों एवं तिलहनों की मौजूदा कीमतों का अध्ययन करने के बाद भंडारण सीमा की समीक्षा की गई। कीमतों में अंतरराष्ट्रीय एवं घरेलू स्तर पर लगातार आ रही नरमी को देखते हुए भंडारण सीमा हटाने का फैसला किया गया है।

यॉर्कशायर काउंटी बोर्ड में शामिल होने वाली भारतीय मूल की पहली महिला बनीं कविता

लंदन । ब्रिटेन में रह रहीं भारतीय मूल की कविता सिंह यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब बोर्ड में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। कविता को यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब (वाईसीसीसी) के बोर्ड में सेवा देने के लिए नियुक्त किया गया है। वह बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त होने वाली क्लब के इतिहास में पहली महिला और पहली भारतीय हैं। ब्रिटेन में जन्मी कविता का परिवार मूल रुप से राजस्थान से जुड़ा है। उनके पिता, डॉ भारत भूषण भसीन जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज से चिकित्सा की पढ़ाई की थी। वह भारतीय क्रिकेट टीम के डॉक्टर भी रहे थे। क्लब ने हाल ही में पहली बार हेडिंग्ले स्टेडियम में दीया जलाकर और गायत्री मंत्रों के साथ उमंग और उत्साह के साथ दिवाली मनाई थी। इस कार्यक्रम का आयोजन यॉर्कशायर बोर्ड की सदस्य कविता ने किया था। यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब 160 साल पुराने इतिहास के साथ ही दुनिया के सबसे प्रसिद्ध क्रिकेट क्लबों में से एक है। इससे इंग्लैंड के लिए अधिक खिलाड़ी निकले हैं। यॉर्कशायर के पांच खिलाड़ी आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हैं। पेशेवर क्षेत्र से दूर, पूरे काउंटी में 125, 000 मनोरंजक खिलाड़ियों के साथ यॉर्कशायर से संबद्ध 850 से अधिक क्रिकेट क्लब हैं।

टी20 विश्वकप : भारतीय टीम ने वर्षा बाधित रोमांचक मुकाबले में बांग्लादेश को पांच रनों से हराया

एडिलेड ।

भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप सुपर-12 के वर्षा बाधित रोमांचक मुकाबले में बांग्लादेश को डकवर्थ लुइस नियम के तहत पांच रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें और मजबूत हो गयी हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए लोकेश राहुल के 50 और विराट कोहली के 64 रनों की सहायता से 6 विकेट पर 184 रन बनाये। इस प्रकार बांग्लादेश को जीत के लिए 185 रनों का लक्ष्य मिला। इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम ने अच्छी शुरुआत की पर बीच में बारिश होने से उसे जीत के लिए संशोधित लक्ष्य के तौर पर 16 ओवरों में 151 रनों को बनाने की चुनौती मिली जिसका पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 6 विकेट पर 145 रन ही बना सकी। इस प्रकार भारतीय टीम ने यह मैच पांच रन से जीत लिया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरूआत अच्छी रही। लिटन दास ने तेजी से खेलते हुए 60 रन बनाये पर उनके रन आउट होते ही पारी बिखरने लगी। लिटन के आउट होने के बाद मोहम्मद शमी ने नजमुल हुसैन शान्तो को पेवेलियन भेज दिया। नजमुल ने 21 रन बनाए। बीच में आयी बारिश से हालात बदल गये। बारिश के बाद मैच फिर शुरु हुआ तो अर्शदीप ने अफिफ हुसैन को 3 रन के स्कोर पर पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद अर्शदीप ने इसी ओवर में शाकिब अल हसल को आउट कर बड़ी सफलता हासिल की। शाकिब 13 रन ही बना पाये। हार्दिक पांड्या ने 13वें ओवर की दूसरी गेंद पर यासिर अली को 1 रन पर ही आउट कर दिया। इसके बाद हार्दिक ने इसी ओवर में मोसादेक हुसैन को 6 रनों पर ही आउट कर दिया। नुरुल हसन 25 और तस्कीन अहमद 12 ने एक बार फिर साझेदारी कर टीम को जीत दिलाने का प्रयास किया पर वह सफल नहीं हो पाये। टीम को करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। वहीं इससे पहले बांग्लादेश ने टॉस जीत भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा चौथे ओवर की दूसरी गेंद पर ही पेवेलियन लौट गये। रोहित ने 8 गेंदों में मात्र 2 रन ही बनाए। इसके बाद राहुल ने दूसरे विकेट के लिए विराट के साथ 67 रन बनाकर पारी संभाली। 10वें ओवर की दूसरी गेंद पर राहुल ने अपना विकेट खो दिया हालांकि इससे पहले उन्होंने 32 गेंदों पर 3 चौकों और 4 छक्कों की मदद से शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। राहुल शाकिब की गेंद पर मुस्तफिजुर के हाथों कैच आउट हुए। सूर्यकुमार यादव ने तेजी से खेलते हुए 15 गेंदों पर 30 रन की आक्रामक पारी खेली। हार्दिक पांड्या 6 गेंदों पर 5 रन ही बना पाये। दिनेश कार्तिक इस बार भी नाकाम रहे। कार्तिक 17वें ओवर की अंतिम गेंद पर 7 रन बनाकर रन आउट हुए।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे सूर्यकुमार , रिजवान पीछे हुए

विराट शीर्ष दस में शामिल , ऑलराउंडरों में तीसरे नंबर पर पहुंचे हार्दिक

दुबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को पीछे छोड़कर यह अहम उपलब्धि हासिल की है। रिजवान अब दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। बांग्लादेश के खिलाफ 30 रन बनाने के साथ ही अब सूर्यकुमार के 863 अंक हो गये हैं। वहीं मोहम्मद रिजवान 842 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर फिसल गये हैं। तीसरे स्थान पर न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे और चौथे नंबर पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम हैं। कॉनवे के 792 अंक है जबकि आजम के 780 अंक है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली 638 अंकों के साथ 10वें स्थान पर हैं। सूर्यकुमार ने अपना पहला टी20 मुकाबला साल 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। सूर्या ने अब तक 37 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 35 पारियों में 40.65 की औसत से 1179 रन बनाये हैं। सूर्यकुमार के नाम टी20 क्रिकेट में एक शतक और 11 अर्द्धशतक शामिल है। टी20 क्रिकेट में उनका स्ट्राइक 177.02 का रहा है। वहीं आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान 700 रेटिंग अंकों के साथ पहले जबकि श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा 697 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं ऑलराउंडर खिलाड़ियों की सूची में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन पहले नंबर पर हैं। हसन के 255 रेटिंग अंक हैं। दूसरे स्थान पर अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी के 244 अंक है। भारत के हार्दिक पंड्या 182 अंक लेकर तीसरे स्थान पर बने हुए हैं।

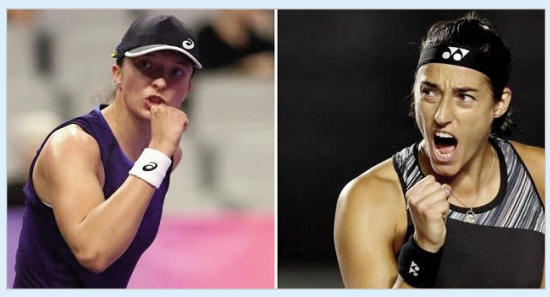

WTA Finals: स्वियातेक ने कसात्किना, कैरोलिन ने कोको गॉफ को हराया

फोर्ट वर्थ: दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वियातेक ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत राउंड रोबिन मुकाबले में दारिया कसात्किना पर जीत के साथ की। स्वियातेक शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार 13 मैच जीत चुकी हैं जो पिछले 15 साल में एकल वर्ग में किसी महिला खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। मंगलवार को उन्होंने कसात्सिना को सीधे सेट में 6-2, 6-3 से हराया। स्वियातेक 2022 में शानदार फॉर्म में चल रही हैं। इस दौरान उन्होंने दो ग्रैंडस्लैम के अलावा आठ अन्य टूर्नामेंट में खिताब जीते। इस साल टूर पर उन्होंने 65 मैच जीते जबकि उन्हें सिर्फ आठ में हार का सामना करना पड़ा। स्वियातेक अगले मुकाबले में जब दुनिया की छठे नंबर की कैरोलिन गार्सिया का सामना करेंगी तो शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ियों के खिलाफ जीत के क्रम को 14 तक पहुंचाना चाहेंगी। कैरोलिन ने अमेरिका की 18 साल की कोको गॉफ को 6-4, 6-3 से शिकस्त दी।

टी20 विश्व कप : मैक्स के शानदार प्रदर्शन से नीदरलैंड ने जिम्बाब्वे को पांच विकेट से हराया

एडीलेड ।

सलामी बल्लेबाज मैक्स ओ डाउड के शानदार अर्धशतक से नीदरलैंड ने जिम्बाब्वे को टी20 विश्व कप क्रिकेट के सुपर 12 चरण में पांच विकेट से हराकर पहला मुकाबला जीता है। डाउड ने 47 गेंद में 52 रन बनाये। डाउड की इस पारी से डच टीम ने जीत के लिए मिले 118 रनों के लक्ष्य को 18 वें ओवर में ही 120 रन बनाकर हासिल कर लिए। नीदरलैंड को इस जीत से दो अंक मिले पर वह पहले ही नॉकआउट से बाहर हो गयी है। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे की संभावनाएं भी समाप्त हो गयीं। इससे पहले सिकंदर रजा के 40 और सीन विलियम्स के 28 रनों की सहायता से जिम्बाब्वे ने 19.2 ओवर में 117 रन बनाये थे। टीम के अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरे जिम्बाब्वे की टीम पावर प्ले में केवल 20 ही रन बना पायी। कप्तान क्रेग इर्विन 03, रेगिस चकाब्वा 05 और वेस्ले माधेवेरे 01 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद रजा ने विलियम्स के साथ 35 गेंद में 48 रन की साझेदारी की। विलियम्स के आउट होने के बाद जिम्बाब्वे के विकेट लगातार गिरते गये नीदरलैंड की ओर से तेज गेंदबाज पॉल वान मीकेरन ने सबसे ज्यादा 29 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं बास डि ने 14 रन पर दो विकेट और लोगान वान बीक ने 17 रन देकर दो खिलाड़ियों को आउट किया। ब्रैंडन ग्लोवर ने भी 29 रन पर दो विकेट लिए। नीदरलैंड ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। स्टीफन माइबर्ग 08 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। वह ब्लेसिंग मुजरबानी का शिकार बने। इसके बाद ओ डाउड और टॉम कपूर 32 ने दूसरे विकेट के लिए 73 रन बनाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। डाउड ने लगातार दो चौकों के साथ विश्व कप का अपना चौथा और कुल 11वां अर्धशतक पूरा किया। डाउड और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के आउट होने के बाद बास डि ने 12 गेंद में 12 रन बनाकर दो चौके लगाकर टीम को जीत दिलाई। इससे पहले नीदरलैंड के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी कर जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। केवल रजा अच्छी लय में दिखे और उन्होंने कई आकर्षक शॉट भी जड़े लेकिन जब लग रहा था कि वह टीम को बड़े स्कोर तक ले जाएंगे तब बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में वह कैच हो गये।

संक्षिप्त समाचार

महिला बिग बैश लीग में टेस ने सबसे तेज अर्धशतक लगाया

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में महिलाओं के घरेलू टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट वुमेंस बिग बैश लीग (बीबीएल) में मेलबर्न स्टार्स की ऑलराउंडर टेस फ्लिंटॉफ ने 16 गेंदों में ही अर्धशतक लगाकर एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। टेस ने एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ हुए मैच में यह आतिशी पारी खेली। टेस ने केवल 16 गेंद में ही नाबाद 51 रन बनाए। अपनी इस पारी में टेस ने 3 छक्के लगाने के साथ ही 6 चौके भी लगाये। यह महिला बिग बैश लीग में अब तक का सबसे तेज अर्धशतक है। वहीं इससे पहले बीबीएल में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड एश्ले गार्डनर के नाम था। एश्ले ने 22 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 23 गेंद में अर्धशतक लगाया था। वहीं विश्वस्तर पर देखा जाये तो महिला टी20 में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड वारविकशायर की मैरी केली के नाम हैं। केली ने ग्लोस्टरशायर के खिलाफ 15 गेंद में ही 50 रन पूरे कर लिए थे। टेस ने अपनी आतिशी पारी के दौरान 319 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। यह बीबीएल लीग में सबसे अधिक है। इस बल्लेबाज की नाबाद 51 रन की पारी से मेलबर्न स्टार्स ने 20 ओवर में 186 रन बनाए। यह लीग में मेलबर्न टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। वह पुरुष क्रिकेटर पैट कमिंस 14 गेंद और महिला क्रिकेटर डैन क्रिश्चियन 15 गेंद के बाद ऑस्ट्रेलिया की ओर से महिला और पुरुषों दोनों वर्गों में सबसे तेज अर्धशतक जमाने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गईं हैं।

(एडीलेड) टी20 विश्वकप में भारत की राह में बाधा बन सकती है बारिश

एडीलेड । टी20 विश्वकप में भारतीय क्रिकेट टीम को अपने अंतिम मुकाबले में 6 नवंबर को मेलबर्न में जिम्बाब्वे से खेलना है। मेलबर्न में होने वाले इस मैच पर बारिश का साया मंडरा रहा है। यहां बारिश के कारण सुपर-12 के कई मैच रद्द हुए हैं। ऐसे में सेमीफाइनल में पाकिस्तान उसके सामने आ सकता है। सुपर-12 के ग्रुप-2 में भारत का नेट रनरेट अभी 0.844 है। वहीं पाक का 0.765 है। इस प्रकार वह भारतीय टीम से ज्यादा पीछे नहीं है। उसके 3 मैच में 2 अंक हैं और वह तालिका में 5वें स्थान पर है। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए उसे बचे अपने दोनों मुकाबले जीतने होंगे और दुआ करनी होगी कि भारत 2 मैच में 2 अंक से अधिक नहीं हासिल कर सके। पाक को 3 नवंबर को साउथ अफ्रीका से जबकि 6 नवंबर को बांग्लादेश से खेलना है। टीम इंडिया का जिस प्रकार का प्रदर्शन है। ऐसे में उसके लिए बचे हुए मैच जीतना कठिन नहीं रहेगा।

PkL 9: रोमांचक मुकाबले में हरियाणा स्टीलर्स ने बेंगलुरू बुल्स को 2 अंक से हराया

पुणे।

हरियाणा स्टीलर्स ने बालेवाड़ी स्थित श्री शिवछत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मंगलवार को खेले गए वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन के 53वें मैच में हरियाणा स्टीलर्स ने बेंगलुरू बुल्स को 29-27 से हरा दिया। सीजन की तीसरी हार के बावजूद बुल्स पहले स्थान पर काबिज हैं।बुल्स का यह 10वां मैच था। उसे छह मैचों में जीत मिली है जबकि उसका एक मैच टाई भी रहा है। दूसरी ओर, स्टीलर्स का यह नौवां मैच था। उसे चार में जीत पाई है जबकि चार में उसे हार भी मिली है। उसका भी एक मैच टाई रहा है। इस जीत के साथ हरियाणा पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। हरियाणा की जीत में उसके डिफेंस (12 अंक) और मीतू शर्मा (9) का शानदार प्रदर्शन काम आया। आमिर हुसैन बस्तामी ने हाई-5 लगाया। बुल्स के लिए भरत हुड्डा ने सुपर-10 लगाया लेकिन विकास कंडोला (1) तथा डिफेंस ने निराश किया। पांच मिनट के खेल में स्टीलर्स ने 6-3 की लीड ले रखी थी। इस बीच, अमन ने मीतू को लपक बुल्स को तीसरी सफलता दिलाई लेकिन डू ओर डाई रेड पर अंक लेकर विकास ने स्कोर 7-4 कर दिया। इसके महेंदर और मीतू ने डू ओर डाई रेड पर क्रमशः मीतू और नीरज को लपक अपनी टीमों को अंक दिलाए।

10-7 के स्कोर के साथ बुल्स के लिए सुपर टैकल आन था। इसी बीच, सचिन ने डू ओर डाई रेड पर बुल्स को अंक दिलाया। फिर सौरव ने डू ओर डाई रेड पर मीतू का शिकार किया। जयदीप ने विकास को अगली रेड पर लपक स्कोर डिफरेंस 2 का कर दिया और फिर राकेश ने डू ओर डाई रेड पर दो अंक ले स्कोर 13-9 कर दिया। हाफ टाइम तक स्टीलर्स को 3 अंक की लीड मिली हुई थी। स्टीलर्स ने रेड और डिफेंस में 6-6 अंक हासिल किए थे जबकि बुल्स को दोनों विभागों में 5-5 अंक मिले। स्टीलर्स को एक अतिरिक्त अंक भी मिला। ब्रेक से पहले बुल्स के लिए सुपर टैकल आन था। मीतू ने नरेंदर को आउट किया और फिर बुल्स ऑल आउट हो गए। स्टीलर्स ने इसके साथ 17-11 की लीड ले ली। बुल्स ने हालांकि इसके बाद लगातार तीन अंक लेकर वापसी की राह पकड़ी।

अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में श्रीलंका पर कोडेड सिग्नल भेजने के आरोप

सिडनी । श्रीलंकाई टीम पर टी20 विश्वकप में अफगानिस्तान के खिलाफ हुए मैच में कोडेड सिग्नल भेजने के आरोप लगे हैं। इस मैच में श्रीलंकाई टीम को छह विकेट से बड़ी जीत मिली हैं। श्रीलंका की इस बड़ी जीत के पीछे भी कोडेड सिग्नल की ही अहम भूमिका मानी जा रही है। श्रीलंकाई प्रबंधन को मैच के दौरान ही कोडेड संकेत भेजते हुए देखा गया था। तब मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड भी उपस्थित थे। लंकाई टीम पहले भी इस प्रकार के तरीके अपनाती रही है। उसने एशिया कप 2022 में भी इस तरीके का उपयोग कर खिताब जीता था। प्रशंसकों ने हालांकि इस तरीके पर आपत्ति व्यक्त की थी। वहीं दूसरी ओर श्रीलंकाई पक्ष का मानना है कि इसमें किसी प्रकार की गलती नहीं है। कुछ भी गलत नहीं है। पूर्व में इंग्लैंड की टीम ने भी इस तरीके का उपयोग किया था। इंग्लैंड ने साल 2020 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में कोडेड सिग्नल भेजे थे। अब उसी का इस्तेमाल श्रीलंकाई प्रबंधन कर रहा है। श्रीलंकाई टीम ने अब तक इस विश्वकप में चार मुकाबलों में से दो जीते हैं और वह अंक तालिका में में चौथे स्थान पर बनी हुई है।

विराट टी20 विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

जयवर्धने दूसरे नंबर पर फिसले

एडिलेड । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अब टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। अब तक यह रिकार्ड श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर महेला जयवर्धने के नाम था। जयवर्धने ने 20 विश्व कप में 1016 रन थे। विराट ने बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में 16 रन बनाते ही महेला जयवर्धने को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 12 रन बनाने के साथ ही टी20 विश्वकप में अपने 1000 रन पूरे किये थे। बांग्लादेश के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए विराट 64 रन बनाकर नाबाद रहे। जयवर्धने ने टी20 विश्व कप के 31 मैचों में 39.07 के औसत और 134.74 के स्ट्राइक से 1016 रन बनाये थे। वहीं कोहली ने केवल 25 मैच में ही 83.41 के औसत और 131.71 के स्ट्राइक रेट से 1017 रन बनाये हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 89 रन रहा है। सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में विराट और जयवर्धने के अलावा किस भी बल्लेबाज के 1000 रन से अधिक नहीं हैं। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल 965 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं और भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा 919 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं।

टी20 विश्व कप में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी इस प्रकार हैं :

- 1017 - विराट कोहली (23 पारियां)
- 1016 - एम जयवर्धने (31 पारियां)
- 965 - क्रिस गेल (31 पारियां)
- 921 - रोहित शर्मा (34 पारियां) ।

शीर्ष पर पहुंचने के लिए नहीं लड़ रहा: नडाल

पैरिस :

स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल ने कहा है कि वह अब नंबर एक रैंकिंग हासिल करने के लिए नहीं लड़ रहे हैं। नडाल ने कहा, 'मैं जिस प्रतियोगिता में खेलता हूं, उसमें प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए लड़ता हूं। मैं अब नंबर एक बनने के लिए नहीं लडूंगा। मैंने अपने करियर में एक-दो बार उस लक्ष्य को हासिल किया है और मैं इसे हासिल करके बहुत खुश और गौरवान्वित महसूस किया है।' नडाल अपने सुसज्जित करियर में 209 हफ्तों तक शीर्ष रैंकिंग पर रह चुके हैं। पांच बार साल का समापन पहले स्थान पर करने वाले नडाल एटीपी फाइनल खेलने से पहले यहां पैरिस मास्टर्स में हिस्सा लेंगे। फ्रेंच ओपन का खिताब 14 बार जीतने वाले नडाल ने कहा, 'हालांकि यह सच है कि यह विशेष आयोजन (पैरिस मास्टर्स) मेरे लिये बहुत अच्छा नहीं रहा है, उस शहर में आना हमेशा अच्छा होता है जो मेरे लिए इतना खास है।' दो महीने के अंतराल के बाद लौट रहे नडाल ने कहा कि वह एटीपी टूर पर वापस आकर खुश हैं। पैरिस मास्टर्स के पहले दौर में नडाल का सामना अमेरिका के टॉमी पॉल से होगा। नडाल ने कहा, 'जब आप प्रतियोगिता के बाहर समय बिताकर वापस आते हैं, तो यह जानना मुश्किल है कि आप कैसे खेलने जा रहे हैं या आपका शरीर कैसी प्रतिक्रिया देगा। प्रतिस्पर्धी स्तर पर देखेंगे कि मैं कैसे प्रदर्शन करता हूं।'

लीवरपूल में महिला जिम्नास्टिक विश्व चैम्पियनशिप में भाग लेती हुई चीन की टेंग झियांग।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'सन सिटी' जोधपुर

थार के प्रवेश द्वार राजस्थान की राजधानी जयपुर के बाद सर्वाधिक चहल-पहल वाला शहर है जोधपुर। यह शहर जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान शहर है। अपनी अनूठी विशेषता के कारण इस शहर को दो उपनाम-'सन सिटी' और 'ब्लू सिटी' मिले हैं। 'सन सिटी' नाम जोधपुर के चमकीले धूप के मौसम के कारण दिया गया है, जबकि 'ब्लू सिटी' का नाम मेहरानगढ़ किले के आसपास स्थित नीले रंग के घरों के कारण दिया गया है। जोधपुर को 'थार के प्रवेश द्वार' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह शहर थार रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। जोधपुर शहर को 1459 में राजपूतों के राठौड़ राव जोधा ने स्थापित किया था। इससे पहले इस शहर को 'मारवाड़' नाम से जाना जाता था, किन्तु वर्तमान नाम शहर के संस्थापक राव जोधा के नाम पर है। इस किलेनुमा शहर को पत्थर की एक ऊंची दीवार संरक्षण प्रदान करती है। यह दीवार करीब 10 किलोमीटर लंबी है तथा विभिन्न दिशाओं में इसके 8 प्रवेश द्वार हैं। विशाल किले के अलावा अपने जमाने के खूबसूरत महलों, मंदिरों तथा उत्कृष्ट संग्रहालयों के कारण यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तो आइए, क्यों न चलें उन स्थलों की ओर-

जसवंत थांडा : मेहरानगढ़ किले के नजदीक सफेद संगमरमर की बनी महाराजा जसवंत सिंह की समाधि दर्शनीय है। इसका निर्माण 1899 में किया गया था। यहां के विभिन्न चित्रों और समाधियों में उस युग की शाही वंशावली सुरक्षित है। 4 समाधियां संगमरमर की बनी हैं।

मेहरानगढ़ किला : यह भव्य किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। सामरिक कारणों से 1459 में राव जोधा ने अपनी राजधानी मंडौर से यहां बदल ली थी। इस खूबसूरत किले के अंदर मोती महल, फूल महल और शीश महल आदि मौजूद हैं। ये सभी भवन शिल्पकला व भवननिर्माण कला के अद्भुत नमूने हैं। शाही परिवार की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाली मेहराबदार खिड़कियां, आगे खूबसूरत डिजाइन में निकले छज्जे, बलुई पत्थर पर की गयी सुंदर व बारीक नक्काशी, पत्थर के खुदे हुए लुक आदि काबिलेतारीफ है। इस किले को देखकर मन रोमांचित हो जाता हैं। घूमते समय यहां की अद्भुत कलाएं मोहित कर लेती हैं।

उमैद भवन : इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण महाराजा उमैद सिंह ने 1829-42 में करवाया था। उस समय इस खर्चीले भवन के निर्माण में 15 लाख रुपये खर्च हुए थे। यह अकालग्रस्त लोगों की सहायता के लिए महाराजा उमैद सिंह द्वारा किया गया एक सार्थक उपाय था। इसके 347 कमरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवारा गया था। वर्तमान समय में महल का एक भाग कुछ भूतपूर्व शासकों का निवास स्थान है। बाकी भाग को एक बड़े होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। महल के अंदर खूबसूरत जोधपुर उमैद भवन बाग भी है। महल के कुछ भाग ही पर्यटकों के लिए खुले हैं।

कालियाना झील : यह शहर से 11 किलोमीटर दूर जैसलमेर मार्ग पर कृत्रिम झील के किनारे का क्षेत्र एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। पर्यटक यहां से खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद जरूर लेते हैं। यहां का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आसमान के कैनवास पर किसी ने अनगिनत रोमांटिक रंग छिड़क दिए हों। यहां का खूबसूरत दिलकश नजारे को पर्यटक दिलों में बसा लेते हैं।

बलसमंद लेक व पैलेस : शहर से 7 किलोमीटर दूर यह एक मनोहारी पर्य टक स्थल है। जहां आम, अमरूद, पपीते के अलावा अन्य घने वृक्षों की खूबसूरती तो देखते बनती ही है, साथ में इन वृक्षों से आती ठंडी हवाएं पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां की कृत्रिम झील के किनारे शांत वातावरण में पर्यटक अद्भुत शांति महसूस करते हैं। इस झील का निर्माण 1159 में बालक राव परिहार ने किया था।

जोधपुर में कई मंदिर दर्शनीय हैं - महामंदिर मंदिर, रसिक बिहारी मंदिर, गणोश मंदिर, बाबा रामदेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और अचलनाथ शिवालय लोकप्रिय मंदिरों में हैं।

मंडौर बाग : शहर से 9 किलोमीटर दूर स्थित मंडौर मरवाड़ की पुरानी राजधानी रही है, जिसे सामरिक कारणों से बदलना पड़ा। आज भी इसके भग्नावशेष मौजूद हैं। अब यह खूबसूरत घने बागों के बीच स्थित पिकनिक स्थल बन गया है। यहां भी पर्यटकों को भरपूर सुकून मिलता है और आनंद की अनुभूति होती है।

कब जाएं

इस क्षेत्र में वर्षभर गर्म और शुष्क जलवायु बनी रहती है। ग्रीष्मकाल, मानसून और सर्दियां यहां के प्रमुख मौसम हैं। इसलिए साल के किसी भी महीने में जोधपुर का कार्यक्रम बना सकते हैं। वैसे सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है।

कैसे जाएं

जोधपुर शहर का अपना हवाई अड्डा और रे लवे स्टेशन है। प्रमुख शहरों से उड़ानें और रेल सुविधाएं हैं। सड़क मार्ग से भी प्राय- सभी बड़े शहरों से पंहुच सकते हैं।

गंगा के किनारे बसी बाबा विश्वनाथ की काशी

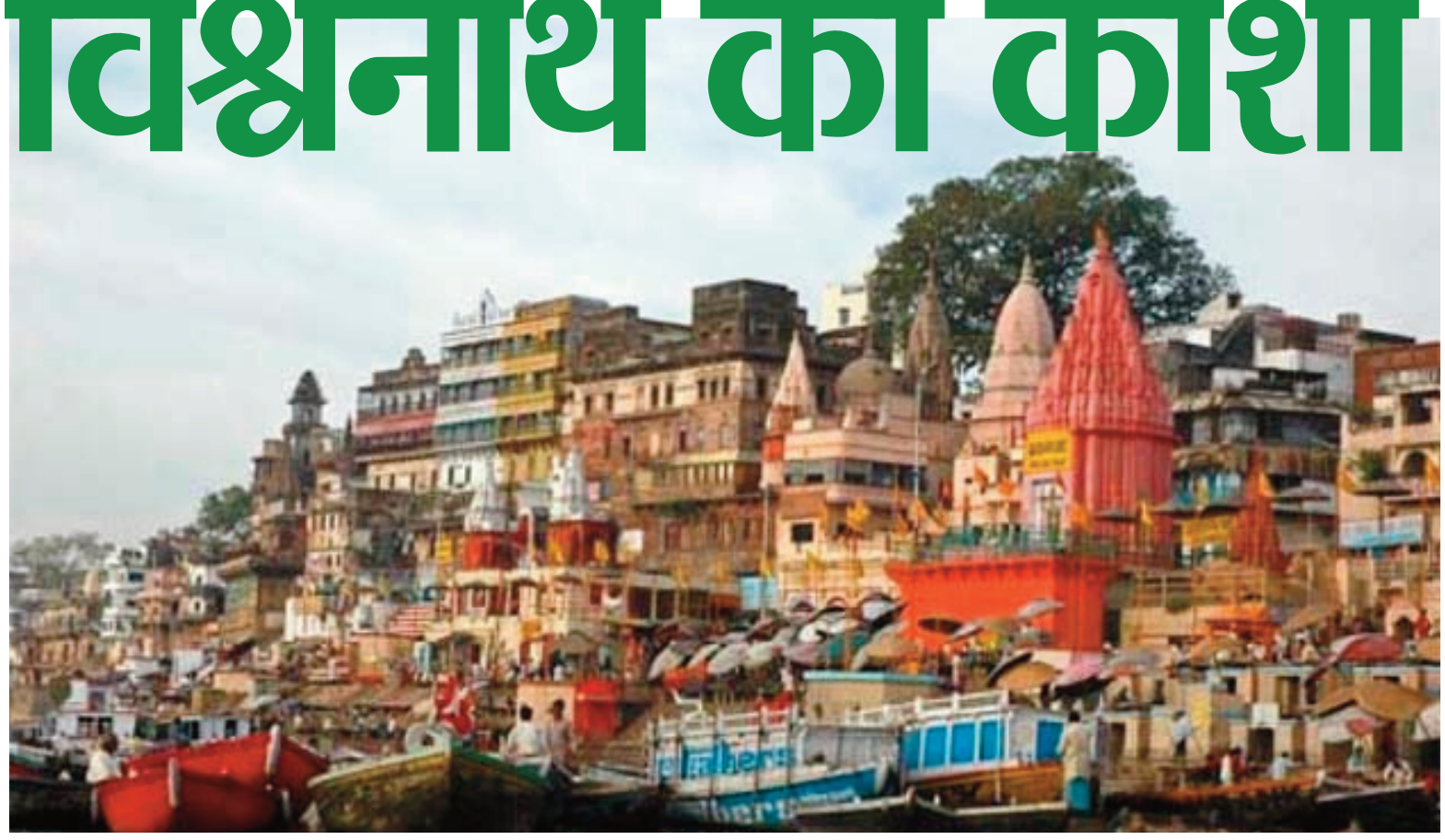

लोक, कला और पर्यटन के मामले में वाराणसी बेहद समृद्ध है। यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यहां गंगा के घाट सदियों पुराना इतिहास समेटे हुए हैं। भगवान शिव का प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण भी यहां साल भर पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यह शिव की काशी नगरी है। साक्षात् विराजमान हैं महादेव यहां। वाराणसी की यात्रा एक तरह से शिव से मुलाकात है। मन का मैल धोना हो, मन का बोझ उतारना हो था फिर चाहिए मुक्ति तो एक बार काशी चले आइए और गंगा तट पर स्नान कर महादेव से साक्षात्कार कीजिए।

ये काशी ही है जो पूरी दुनिया को बुलाती है- आओ मुझसे मिलो। यहां के घाट, मैरी चर्च, भारत कला म्यूजियम, राम नगर दुर्ग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व नंदेश्वर कोढी दर्शनीय हैं। इन सबके अलावा यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वविख्यात है। इसके अलावा तुलसी मनस मंदिर, भारत माता मंदिर और दुर्गा मंदिर बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

वाराणसी के आसपास भी पर्यटक स्थल हैं, जहां आप भ्रमण कर सकते हैं जैसे चुनार, सारनाथ और जौनपुर। चंद्रप्रभा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुयरी और कैमूर वाइल्ड लाइफ सैंक्चुयरी एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट हैं। वाराणसी में साल भर मेले और त्योहार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इनमें से कुछ त्योहार प्रमुख माने जाते हैं जैसे कार्तिक पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, गंगा महोत्सव, रामलीला, हनुमान जयंती, पंच कोशी परिक्रमा और महाशिवरात्रि।

वाराणसी के मंदिर श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। यहां के मंदिर देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बनारस के ज्यादातर मंदिर पुराने शहर के रास्ते में हैं। सबसे मुख्य मंदिरों में काशी विश्वनाथ मंदिर हैं, जहां भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। पूरे साल यहां भगवान शिव के भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में शाम की आरती बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसे देखने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं।

बनारस शहर की पवित्रता यहां की बहती नदी गंगा के साथ भी जुड़ी है। बनारस स्थित गंगा घाट पर पर्यटकों और वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रहती हैं। दशमेघ घाट, अस्सी घाट, बहना संगम, पंचगंगा और मणि कर्णिका, यहां के मुख्य घाटों में से हैं। इन घाटों के पीछे कई किवदंतियां हैं। सुबह इन घाटों पर लोगों की भीड़ रहती है, जो गंगा नदी में डुबकी लगाकर उगते सूरज की आराधना करते हैं।

वाराणसी से नजदीक हैं सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था प्रबोधन पाने के बाद। सम्राट अशोक ने बाद में यहां स्तूप भी बनवाया था। सारनाथ में कई सारे बौध स्मारक बने। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार यहां उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

वाराणसी आप कभी भी जा सकते हैं। दिल्ली से सीधी ट्रेन वाराणसी जाती है। कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस से पर्यटक काशी पहुंच सकते हैं। यहां कभी भी घूमने जाया जा सकता है। मगर फरवरी से लेकर अप्रैल तक का समय अच्छा रहता है।

घूमने बिहार जाएँ तो इन दस ठिकानों को न भूल जाएँ!

पर्यटन के हिसाब से बिहार समृद्ध है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ हैं। बिहार के नाम विहारा से बनाया गया। मतलब भ्रमण करने की जगह। विश्व का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का गौरव बिहार को ही हासिल है। विभिन्न धर्मों के स्मारक भी यही देखने को मिलते हैं। बिहार में ऐसी दस मुख्य जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय- पांचवीं शताब्दी में बना यह विश्वविद्यालय विश्व का पहला रेसिडेंसियल यूनिवर्सिटी है। यहां ज्ञान की रोशनी सभी को अलोकित करती है। किसी समय लगभग 2000 शिक्षक देश-विदेश से आए दस हजार छात्रों को पढ़ाते थे। यहां बुद्ध ने भी एक शिक्षक की भूमिका निभाई। महान विद्वान और चीनी पर्यटक ह्यून सेंग भी यहां के छात्र रहे थे। यह विश्वविद्यालय कुशान वास्तुकला का बेहतरीन नमूना हैं। बरसों बंद रहने के बाद आज यह विश्वविद्यालय आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है।

बोधि वृक्ष- पटना से सौ किलोमीटर दूर गया में बोधि वृक्ष बौद्धों का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। पूरे विश्व से बौद्ध समुदाय के लोग इस वृक्ष के सामने नतमस्तक होते हैं। कहते हैं भगवान बुद्ध की ज्ञान इसी वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था। वृक्ष के पास ही महा बोधि मंदिर है, जो बौद्ध धर्म अपनाने वालों के लिए पवित्र स्थल हैं।

मचालिंडा झील- मचालिंडा झील के शेषनाग के नाम पर पड़ा है। दरअसल, सांपों के राजा मचालिंडा ने भगवान बुद्ध को इसी झील के पास उनके छठे हफ्ते के ध्यान के समय भयंकर आंधी और लहरों से बचाया था। इस वजह से यह जगह मचालिंडा के नाम से जाना जाता हैं। बोध गया में इस जगह के आस-पास की हरियाली इसे बेहतरीन पर्यटक स्थल बनाती हैं।

गिद्धहकुटा पीक- यह पीक वल्चर पीक के नाम से जाना जाता हैं। राजगीर स्थित यह पीक बिल्कुल एक गिद्ध की तरह हैं। महात्मा बुद्ध ने इस पीक पर अपने कुछ प्रसिद्ध उपदेश दिए थे और तब से यह बौधों के लिए पवित्र स्थल बन गया।

राजगीर का गर्म कुंड- राजगीर का हॉट स्प्रिंग्स पर्यटकों के लिए खास जगह हैं। वैभव पहाड़ियों के नीचे इस गर्म कुंड में नहाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस कुंड में पानी सप्तधारा से आता हैं। यह धारा सप्तपर्णी गुफा के पीछे से बहती हैं। कहते हैं यह कुंड अपने आप में औषधीय गुण समेटे हुए है। ब्रहमकुंड यहां का सबसे गर्म कुंड माना जाता है। इसका तापमान लगभग 450 डिग्री सेल्सियस होता हैं। कहा जाता है भगवान बुद्ध और महावीर ने भी इस कुंड में स्नान किया था।

बक्सर फोर्ट- गंगा नदी के तट के साथ बसे बक्सर के प्राचीन किले को 1054 में बनाया गया था। इस किले की बनावट बेहद उत्कृष्ट हैं। यह किला अंदर से भी बेहद आकर्षक हैं। अगर आप बक्सर जाएं तो इस किले का भ्रमण करना न भूलें। साथ ही यहां का गौरी शंकर मंदिर और नाथ बाबा मंदिर भी दर्शनीय है।

नवलखा पैलेस- मधुबनी जिले के राजनगर में इस पैलेस का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने इसका निर्माण कराया था। 1934 में आए भूकम्प के कारण इस पैलेस को काफी क्षति पहुंची थी। उसके बाद इसका निर्माण नहीं हो पाया। इसके अलावा कमला नदी के पास मां काली मंदिर और मां दुर्गा को समर्पित राजनगर पैलेस यहां का मुख्य पर्यटक स्थल हैं।

हेन सैंग मेमोरियल हॉल- प्रसिद्ध चीनी विद्वान ह्यून सेंग की याद में बनाया गया यह हॉल अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। कहते हैं उन्होंने भारत में अपने बारह साल यहीं गुजारे थे। आचार्य शील भ्रद की छत्रछाया में उन्होंने यहां योग सीखा।

जलमंदिर- झील के बीचोंबीच कमल के फूल से घिरा है। यह जलमंदिर। ऐसा कहा जाता है। भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने इसे बनाया था। यह मंदिर विमान के आकार में है। 600 फीट लंबा पुल इस मंदिर को किनारे से जोड़ता हैं। इसी जगह भगवान महावीर ने महाप्रयाण किया था।

पटना म्यूजिक- 1917 में बना म्यूजिक पर्यटकों के लिए खास आकर्षण केंद्र हैं। राजपूत और मुगल वास्तुकला से समृद्ध इस म्यूजियम में पेटिंग्स, पौराणिक चीजें और अन्य प्रतिरूप रखे जाए हैं। यहां हिंदू और बौध धर्म की वस्तुओं का विशेष संग्रह हैं। 20 करोड़ साल पुराने पेड़ का अवशेष भी यहां रखा हैं।

संस्कृति के हिसाब से बिहार में देखने के लिए बहुत कुछ हैं। इन पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आप भी रेलमार्ग या वायुमार्ग से यहां आ सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्त्री 2 में नजर आएंगी श्रद्धा कपूर

साल 2018 में आई सुपरहिट फिल्म स्त्री में श्रद्धा कपूर ने दर्शकों का खूब दिल जीता था। अब एक बार फिर श्रद्धा फैंस का दिल जीतने आ रही हैं। एक्ट्रेस जल्द ही स्त्री के सीक्वल स्त्री 2 में काम करती नजर आएंगी। श्रद्धा कपूर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जो कि दुमकेश्वरी का बिहाइंड द सीन वीडियो है। वीडियो में श्रद्धा कह रही हैं, अंदाजा लगाओ कौन वापस आ गया। यह तो बस छोटी सी झलक है कि मैं वापस आ रही हूं। स्त्री लौट आई है। सुपर वाइब। सेट पर लौटकर काफी अच्छा लग रहा है। यह मेरे लिए बहुत अच्छा है, क्योंकि हम बाहुत जल्दी स्त्री 2 की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। एक्ट्रेस का ये वीडियो देख उनके फैंस फिर से एक्साइटड हो गए हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें, फिल्म स्त्री में श्रद्धा कपूर ने एक्टर राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी, फ्लोरा सैनी और विजय राज ने अहम भूमिका निभाई थी।

रॉकेट गैंग के लिए स्पेशल डांस करेंगे रणबीर

बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर को कोरियोग्राफर से निर्देशक बने बॉस्को लेस्ली मार्टिस के निर्देशन में बनी पहली फिल्म रॉकेट गैंग के लिए एक विशेष डांस नंबर में शामिल किया गया है। गाने का टीजर सोमवार को रिलीज किया जाएगा। रणबीर और बॉस्को ने इम्तियाज अली की तमाशा और रॉकस्टार सहित कई प्रोजेक्ट्स पर साथ काम किया है। इसलिए, अभिनेता ने अपने दोस्त के लिए प्रशंसा के निशान के रूप में गाने के लिए आने का फैसला किया। नंबर के लिए अपने प्रिय मित्र के साथ सहयोग के बारे में बात करते हुए, बॉस्को ने कहा, मैं रणबीर को विशेष अतिथि के रूप में पाकर बहुत रोमांचित हूं। वह एक महान अभिनेता और एक महान ड्रांसर हैं। मैंने पूरे गीत को कोरियोग्राफ किया है और मैं वास्तव में खुश हूं। मैं सोमवार को गाने का टीजर रिलीज करने और प्रशंसकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए उत्साहित हूं। रॉकेट गैंग एक डांस हॉरर-कॉमेडी-ड्रामा है जिसमें निकिता दत्ता और लोकप्रिय डांस रियलिटी शो के बाल कलाकारों के साथ आदित्य सील मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 11 नवंबर को सिनेमाघरों में आएंगी।

केआरके ने मांगी सलमान खान से माफी

पूर्व एक्टर और खुद को फिल्म क्रिटिक बताने वाले कमाल राशिद खान ने सलमान खान से माफी मांगते हुए कहा कि मेरी गिरफ्तारी के पीछे सलमान खान का हाथ नहीं है। साथ ही उन्होंने करण जौहर को लेकर भी पोस्ट लिखा है। बता दें सलमान खान से कई बार केआरके पंगे ले चुके हैं। पूर्व एक्टर और खुद को फिल्म क्रिटिक बताने वाले कमाल राशिद खान अक्सर अपने बयानों और कारनामों की वजह से चर्चा में रहते हैं। हाल में ही उन्हें अपने बड़बोलेपन की वजह से जेल भी जाना पड़ा था। एक बार फिर वह अपने लेटेस्ट बयान की वजह से चर्चा में हैं, जो उन्होंने सलमान खान के लिए दिया है। दरअसल ट्विटर पर सलमान खान से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मैं गलत था। मुझे लग रहा था कि मेरी गिरफ्तारी के पीछे सलमान खान का हाथ है लेकिन मेरे साथ तो कोई और ही खेल गया। आइए बताते हैं आखिर पूरा मामला क्या है और क्यों उन्होंने ऐसा कहा। केआरके ने ट्विटर पर कहा, मैं सभी मीडिया से जुड़े लोगों को ये बताना चाहता हूं कि सलमान खान मेरी गिरफ्तारी के पीछे नहीं थे।

कानूनी पचड़े में फंसी अक्षय की राम सेतु!

पंजाब के इतिहासकार ने इस वजह से जताई श्रीलंका में काम करने वाले एक पंजाबी इतिहासकार और 2006 में गठित रामायण अनुसंधान समिति के विभाग के प्रमुख अशोक कुमार कैंथ ने बताया कि, उन्होंने फिल्म देखी और मुख्य पात्र डॉ.आर्यन उनकी जीवन की कहानी पर आधारित थी. यह मामला कॉपीराइट का है. अक्षय कुमार स्टारर राम सेतु के निर्माता एक बार फिर मुश्किल में फंस गये हैं. भाजपा नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा फिल्म की टीम को नोटिस भेजे जाने के बाद अब श्रीलंका में रामायण अनुसंधान समिति के विभाग के प्रमुख ने मेकर्स पर आरोप लगाये हैं. उनका कहना है कि निर्माताओं ने उनकी परमिशन के बिना उनके काम और जीवन की कहानी की नकल की है. उन्होंने फिल्म के निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की.

-डॉ. आर्यन की कहानी उनके जीवन पर आधारित है

श्रीलंका में काम करने वाले एक पंजाबी इतिहासकार और 2006 में गठित रामायण अनुसंधान समिति के विभाग के प्रमुख अशोक कुमार कैंथ ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि, उन्होंने फिल्म देखी और मुख्य पात्र डॉ.आर्यन उनकी जीवन की कहानी पर आधारित थी. उन्होंने आरोप लगाया कि उनके द्वारा किए गए शोध कार्य को उनकी अनुमति के बिना फिल्म में उनकी वेबसाइट से लिया गया है. फिल्म का मुख्य किरदार भी उनकी जीवन की कहानी को पेश कर रहा है कि उन्होंने श्रीलंका में रामायण तथ्यों के अस्तित्व की खोज कैसे की थी.

-यह कॉपीराइट का मामला है

अशोक कुमार कैंथ ने आगे कहा कि, यह मामला कॉपीराइट का है. अशोक कुमार कैंथ ने कहा, फिल्म बहुत बेहतर होती अगर फिल्म निर्माता कई चीजों पर चर्चा करने के लिए उनके पास आते क्योंकि मैंने सब कुछ जमीन पर किया है. उन्होंने यह भी कहा कि अगर उन्हें विश्वास में लिया जाता तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होती.

भोजपुरी स्टार पवन सिंह पर दूसरी पत्नी ने लगाया

आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। पवन सिंह के खिलाफ बलिया की एक अदालत में भरण-पोषण का मुकदमा दायर करने के बाद अब उनकी पत्नी ज्योति सिंह ने मानसिक उत्पीड़न व गर्भपात कराने का गंभीर आरोप लगाया है। ज्योति सिंह का कहना है कि पवन सिंह ने उन्हें आत्महत्या करने के लिए उकसाया था। ज्योति सिंह ने इस मामले में पुलिस अधिकारियों को शिकायती पत्र भेजा है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है। बलिया शहर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार सिंह ने को बताया कि ज्योति सिंह का शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। पवन सिंह की पत्नी और बलिया शहर कोतवाली क्षेत्र के मिड़ढ़ी मोहल्ले की रहने वाली ज्योति सिंह ने पुलिस अधिकारियों को भेजे गए शिकायती पत्र में कहा है कि उनका विवाह 6 मार्च, 2018 को भोजपुरी फिल्म अभिनेता पवन सिंह के साथ जिले के चितबड़ागांव के एक होटल में हुआ था। विवाह के कुछ दिन बाद ही पवन सिंह के साथ ही उनकी सास प्रतिमा देवी व ननद उन्हें कम सुंदर होने व बराबरी के स्तर का न होने का ताना मारने लगीं। ज्योति ने यह भी आरोप लगाया कि सास ने उसे मायके से मिले लगभग 50 लाख रुपये अपने पास रख लिया और इसके बाद प्रतिदिन उसके साथ गाली गलौज किया जाने लगा। ज्योति सिंह ने आरोप लगाया कि तरह-तरह से प्रताड़ित करने के साथ ही उन्हें आत्महत्या करने के लिए उकसाया जाने लगा। शिकायती पत्र के मुताबिक जब वह गर्भवती हो गईं तो उन्हें विटामिन की दवा बताकर गर्भ गिराने वाली दवा खिलाई गई, जिससे उसका गर्भपात हो गया। उन्होंने कहा कि उनके पति शराब पीकर गाली गलौज व मारपीट करने लगे तथा उसे आत्महत्या करने के लिए उकसाने लगे। ज्योति ने कहा कि उससे मर्सिडीज कार की मांग की जाने लगी। अभिनेता पवन सिंह ने उन्हें शांति से रहने की ताकीद की और ऐसा न करने पर उसका हाल भी पूर्व पत्नी नीलम की भांति करने की धमकी दी।

हुमा कुरैशी के साथ पूजा मेरी जान में मृणाल ठाकुर

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर, जिन्होंने अपनी फिल्म सीता रामम के लिए बहुत सारी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं और सफलता हासिल की, हुमा कुरैशी के साथ अपनी अगली परियोजना पूजा मेरी जान के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री ने फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में बात की और बताया कि यह उनकी पिछली फिल्म के चरित्र से कैसे अलग होगी। सीता रामम की तरह, मृणाल अपनी अगली फिल्म में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। उनका कहना है, मैं जो किरदार निभा रही हूं वह सीता रामम में मेरी भूमिका से बिल्कुल अलग है। पूजा जिस तरह से कपड़े पहनती है वह मेरे बात करने का तरीका है, यह एक बिल्कुल नया व्यक्ति है जिसे मैंने बनाया है। मृणाल ने अपने करियर की शुरूआत टीवी से की थी और कॉलेज के दिनों में उन्हें मुझसे कुछ कहती हैं.. ये खामोशियां में मुख्य भूमिका मिली थी। बाद में, उन्होंने सबसे लोकप्रिय शो कुमकुम भाग्य पर हस्ताक्षर किए और बॉक्स क्रिकेट लीग 1 और नच बलिए 7 में एक प्रतियोगी के रूप में भी दिखाई दीं। एक्ट्रेस को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म लव सोनिया में एक शीर्षक भूमिका में भी देखा गया था। 2022 में, वह शाहिद कपूर के साथ जर्सी का हिस्सा बनीं और उन्होंने हनु राघवपुडी की सीता रामम में दुलकर सलमान के साथ तेलुगु फिल्म की शुरूआत की। मृणाल ने कहा कि, वह हमेशा अलग-अलग तरह की भूमिकाएं करने के लिए उत्सुक रहती हैं और वह अपनी फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाने का मौका पाकर खुश हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं हमेशा उन भूमिकाओं के लिए भूखी रही हूं जो एक-दूसरे से अलग हैं और मैं आभारी हूं कि निर्देशकों ने मुझे उन हिस्सों को करने के लिए चुना है। इस विशेष फिल्म में, मैं वादा कर सकती हूं कि लोग मेरे अभिनय कौशल का एक नया पक्ष देखेंगे, जो भी है मेरे लिए भी उतना ही रोमांचक है। पूजा मेरी जान में हुमा कुरैशी और विजय राज भी हैं। हाल ही में, दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स ने फिल्म के लिए शूटिंग रैप की घोषणा की।

पंकज त्रिपाठी बने ओटीटी की दुनिया के नंबर 1

ओटीटी और वेब सीरीज की दुनिया में जुलाई 2022 से सितंबर 2022 तक बॉलीवुड के किन एक्टर्स का दबदबा रहा है, यह पता चल गया है। ऑर्मेक्स मीडिया ने ओटीटी के टॉप-10 पॉपुलर एक्टर्स की लिस्ट जारी की है। इसमें पंकज त्रिपाठी टॉप पर हैं, वहीं बॉबी देओल 10वें नंबर पर हैं। जब से ओटीटी का दबदबा हुआ है, तब से बॉलीवुड से लेकर टीवी की दुनिया के हर उस कलाकार को मौका और पहचान मिलने लगी है, जो बॉलीवुड की दुनिया में तरसता था। जिन एक्टर्स को फिल्मों में दशकों तक काम करके भी खास पहचान नहीं मिली, उन्हें ओटीटी और वेब सीरीज की दुनिया ने स्टार बना दिया। आज की डेट में वेब सीरीज या ओटीटी फिल्म का हिस्सा होना ही सुपरहिट ही गारंटी मान लिया जाता है। उन एक्टर्स की फेहरिस्त काफी लंबी है, जिन्होंने बॉलीवुड की दुनिया से निकलकर ओटीटी की दुनिया में अपना परचम लहरा दिया। आज हर कोई इन एक्टर्स को उनके निभाए ओटीटी के किरदारों से जानता है। फिर चाहे कालीन भैया हो, गुड्डू भैया फिर पंचायत वाले अभिषेक सर।

एक्शन सीन करना टाइगर को पड़ा भारी

एक्टर टाइगर श्रॉफ के फैंस के लिए एक बुरी खबर है। किसी फिल्म के एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान एक्टर का पैर टूट गया। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर फैंस को दी है। टाइगर श्रॉफ ने जो वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया, उसमे देखा जा सकता है कि एक्शन करते हुए दूसरे व्यक्ति को मार रहे हैं और बाद में पैर से कंक्रीट का वॉश बेसिन तोड़ते हैं। इस दौरान उनके पैर में फ्रैक्चर आ जाता है। यह वीडियो पोस्ट करते हुए टाइगर श्रॉफ ने लिखा- कंक्रीट का वॉश बेसिन तोड़ते समय मेरा पैर टूट गया। मुझे लगा मैं कर दूंगा और मैं अपने आपको ज्यादा मजबूत समझ रहा था। हालांकि मुझे बचाने के चक्कर में वॉश बेसिन भी टूट गया। वैसे टाइगर श्रॉफ का यह एक पुराना वीडियो लग रहा है। निर्देशक साबिर खान ने इस पर लिखा, इस दिन हमने लगातार 24 घंटे शूट किया था। बहुत ही जबरदस्त था।

शाहरुख के जन्मदिन पर फैंस को मिलेगा डबल गिफ्ट

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के फैंस उन्हें बड़े पर्दे पर दोबारा देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शाहरुख फिल्म पठान से पर्दे पर कमबैक करने वाले हैं। वहीं शाहरुख के जन्मदिन यानि 2 नंवबर को फैंस को डबल गिफ्ट मिलने वाला है। बताया जा रहा है कि शाहरुख के बर्थडे पर फिल्म पठान का टीजर रिलीज होगा। यशराज फिल्म्स ने शाहरुख के जन्मदिन पर फिल्म का टीजर रिलीज करने की प्लानिंग कर ली है। वहीं शाहरुख की ऑल टाइम ग्रेट फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को भी री-रिलीज करने की तैयारी की जा रही है। दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को शाहरुख के जन्मदिन पर देश के चुनिंदा थिएटर्स में भी रिलीज किया जाएगा। डीडीएलजे भी यशराज फिल्म्स के बैनर तली ही बनी थी जिसे आदित्य चोपड़ा ने निर्देशित किया था। रिपोर्ट के अनुसार डीडीएलजे मराठा मंदिर के अलावा देशभर में पीवीआर के कई थिएटर्स में रिलीज होगी। कई शहरों में इस फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिन की यात्रा पर नगालैंड पहुंचीं, करीब 60 परियोजनाओं की करेंगी शुरुआत

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मूदो दिन की नगालैंड यात्रा पर बुधवार को राजधानी कोहिमा पहुंच गईं। दोपहर में यहां असम राइफल्स के हेलीपैड पर उतरने पर मुख्यमंत्री नेफियू रियो, उपमुख्यमंत्री वाई पैटन और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों व नौकरशाहों ने उनका स्वागत किया। रियो ने राष्ट्रपति की अगवानी करने के बाद ट्वीट किया, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमें नगालैंड में आपका स्वागत करके खुशी हो रही है।' राज्य सरकार ने यहां कैपिटल कल्चरल हॉल में सार्वजनिक स्वागत समारोह का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति डिजिटल माध्यम से, नवनिर्मित सरकारी स्कूलों, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) की सड़कों, एकलव्य मॉडल स्कूल और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के उद्घाटन समेत 60 परियोजनाओं की शुरुआत करेंगी। उनका राजभवन में राज्य के मंत्रियों से मिलने का भी कार्यक्रम है, जिसके बाद शाम को उनके लिए मुख्यमंत्री आवास पर राजकीय भोज आयोजित किया जाएगा। बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति कोहिमा में द्वितीय विश्व युद्ध कब्रिस्तान और राजधानी से लगभग 15 किलोमीटर दूर सबसे पुराने अंगामी गांवों में शुमार किगवेमा जाएंगी। वहां पहुंचकर वहग्राम परिषद के नेताओं के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगी। पिछले महीने राष्ट्रपति ने त्रिपुरा और असम की यात्रा की थी।

पंजाब सचिवालय में उठी मी टू की गूंज, आईएएस अधिकारी पर लगा आरोप

नई दिल्ली. पंजाब में एक बार फिर से मीटू की गूंज उठने लगी है। पंजाब सचिवालय के एक आईएएस अधिकारी पर महिलाओं ने मी टू के आरोप लगाए है। मुख्य सचिव को लिखे गए पत्र में कहा गया कि संबंधित आईएएस अधिकारी महिलाओं पर टिप्पणी करता था। मीटू के आरोप की शिकायत मिलने के बाद अधिकारी को हटाकर नए विभाग में तैनात किया गया है। महिलाओं ने शिकायत पत्र में आरोप लगाया कि अधिकारी कई बार महिलाओं की कुर्सी पर आकर बैठ जाता था और उनपर आपत्तिजनक टिप्पणियां करता था। आरोप के मुताबिक महिलाओं की कुर्सी पर आकर बैठना अधिकारी का रोज का काम हो गया था। अधिकारी लगातार महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणियां किया करता था। महिलाओं से दुर्व्यवहार करता था जिसका महिलाओं ने कई बार विरोध भी किया था। मगर अधिकारी के व्यवहार में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिल रहा था। महिला कर्मचारियों ने पत्र में लिखा कि अधिकारी ने उम्र व पद की गरिमा छोड़कर महिलाओं पर भद्दे कमेंट कसे है। ऐसे में महिलाओं ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर शिकायत करने का फैसला किया है।

नए विभाग में तैनात हुआ अधिकारी

शिकायत मिलने के बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए मुख्य सचिव ने अधिकारी को ऐसे विभाग में तैनात किया है जो सीधे तौर पर जनता से नहीं जुड़ा है। इस मामले की विभागीय स्तर पर जांच के आदेश भी दिए गए है। जांच में पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि अफसर का आचरण कैसा है। अधिकारी की सर्विस फाइल निकालने के आदेश भी दिए गए है। वहीं हाईलेवल का मामला होने के कारण इस मामले पर कोई अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

अवंतीपोरा में बड़े आतंकी हमले की योजना बना रहे तीन आतंकियों को सुरक्षा बलों ढेर किया

श्रीनगर। अवंतीपोरा में जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए हैं। मारे गए आतंकियों में मुख्तार अहमद भट और पुलवामा का सकलैन मुश्ताक भी शामिल है। तीसरा आतंकी मुशफीक पाकिस्तान का रहने वाला था। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार, तीनों आतंकवादी राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास एक बड़े आतंकी हमले की योजना बना रहे थे। इसी दौरान सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में उन्हें ढेर कर दिया गया। आतंकियों के पास से एक एके-74 राइफल बरामद हुई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार, मुख्तार अहमद भट लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध द रेसिस्टेंस फ्रंट का कट्टर कमांडर था।

पुलवामा का रहने वाला भट 18 अप्रैल को अपनी मौसी से मिलने के बहाने घर से निकलते समय लापता हो गया था। बाद में जांच में पाया गया कि वह टीआरएफ में शामिल हो गया और पुलवामा के आसपास सक्रिय था। कमांडर बनने के लिए रैंकों के माध्यम से उठने से पहले भट कई वर्षों तक टीआरएफ का एक ओवरग्राउंड वर्कर था। वह भारत के खिलाफ हथियार उठाने के लिए युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में भी शामिल था और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए हानिकारक गतिविधियों को अंजाम देता था। भट ने पुलवामा के काकापोरा बेल्ट में लश्कर-ए-तैयबा-टीआरएफ को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह पुलवामा में कश्मीरी पंडितों, प्रवासी मजदूरों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने का काम करता था। मुख्तार भट इस साल 13 मई को पुलवामा के गदूरा में जम्मू-कश्मीर के पुलिसकर्मी रियाज अहमद थोकर की हत्या में शामिल था। वह पुलवामा कस्बे के उगरगुंड में दो प्रवासी मजदूरों पर हुए हमले में भी शामिल था।

भगवान विष्णु को स्नान कराने के लिए 5 घंटे बंद रहा तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

तिरुवनंतपुरम । मशहूर श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर में भगवान विष्णु को स्नान कराने के लिए तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को 5 घंटे के लिए पूरी तरह बंद किया गया। सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर से भगवान विष्णु को पवित्र स्नान के लिए समुद्र में ले जाया जाता है। भगवान विष्णु को स्नान कराने' के लिए जाने वाला जुलूस 'अरट्टू' एयरपोर्ट के रनवे से ही गुजरता है। यह जुलूस के लिए पारंपरिक मार्ग रहा है। इस कई सदी पुराने विष्णु मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति को साल में 2 बार पवित्र स्नान के लिए शंकुमुघम समुद्र तट पर ले जाया जाता है, जो तिरुवनंतपुरम में हवाई अड्डे के ठीक पीछे है। 1932 में हवाई अड्डे के बनने से पहले यही पारंपरिक रास्ता था। यह उत्सव साल में दो बार होता है। पहला पवित्र स्नान मार्च और अप्रैल के बीच पंगुनी उत्सव के लिए और फिर अक्टूबर और नवंबर में अलपसी मनाने के लिए किया जाता है। इस बार भी भगवान विष्णु के पवित्र स्नान के लिए मंगलवार दोपहर बाद पांच घंटे के लिए एयरपोर्ट से उड़ान सेवाओं को रोक दिया गया। हवाई अड्डा मशहूर पद्मनाभ स्वामी मंदिर की सदियों पुरानी इस परंपरा के लिए हर साल दो बार अपनी उड़ानों के कार्यक्रम में परिवर्तन करता है। जिससे मंदिर का यह जुलूस यहां रनवे के पास से सुविधा से गुजर सके। मंदिर के 'अरट्टू' जुलूस के गुजरने साथ ही मंगलवार को अलपसी उत्सव संपन्न हो गया। हवाई अड्डा प्राधिकारियों ने बताया कि उड़ान सेवाएं शाम चार बजे से रात नौ बजे तक पांच घंटे के लिए निलंबित रहीं। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर अरबिया सहित प्रमुख विमान कंपनियों की कम से कम 10 उड़ानें रद्द कर दी गईं।

डिप्टी सीएम फड़णवीस की पत्नी अमृता को मिली वाय प्लस सुरक्षा

मुंबई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राज्य के गृह मंत्री देवेंद्र फड़णवीस की पत्नी अमृता फड़णवीस की सुरक्षा बढ़ाई गई है। अमृता को पहले से एक्स कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई थी। सुरक्षा संबंधी आशंकाओं (थ्रेट परसेप्शन) को देखकर उस अपग्रेड कर वाय प्लस सुरक्षा कर दी गई है। साथ ही उन्हें ट्रैफिक क्लियरेंस व्हिकल की सुविधा देने का भी फैसला किया गया है, ताकि कहीं भी आने-जाने की स्थिति में यातायात संबंधी सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। ट्रैफिक क्लियरेंस व्हिकल यात्रा के समय पायलट वाहन की तरह काम करता है। महाराष्ट्र के गृह विभाग ने इस बाबत फैसला लिया है।

अमृता को वॉय प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिलने के साथ ही एस?कॉर्ट व्हिकल के साथ ही उनके सुरक्षा में चौबीसों घंटे 5 पुलिसकर्मी तैनात रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई पुलिस की प्रोटेक्शन एवं सुरक्षा विभाग ने इसबारे ट्रैफिक डिपार्टमेंट को जरूरी निर्देश दिए हैं। हालांकि, अमृता ने फिलहाल ट्रैफिक क्लियरेंस व्हिकल का इस्तेमाल शुरू नहीं किया है। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सामान्य तौर पर ट्रैफिक क्लियरेंस व्हिकल की सुविधा संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति को ही दी जाती है।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एवं गृह मंत्री फड़णवीस ने मामले पर कहा कि अमृता ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग नहीं की थी। खतरे की आशंका को देखकर उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक क्लियरेंस व्हिकल के लिए भी आवेदन नहीं दिया गया था। फड़णवीस ने बताया कि अमृता ने पुलिस को खासतौर पर कहा था कि उन्हें ट्रैफिक क्लियरेंस व्हिकल की जरूरत नहीं है। डिप्टी सीएम ने कहा कि उन्हें बताया गया कि इससे पहले ठाकरे परिवार और अन्य को इस तरह की सुविधा मुहैया कराई जा चुकी है। फड़णवीस ने बताया कि यह सुविधा पद नहीं, बल्कि खतरे की आशंका को देखते हुए दी जाती है।

हमने निवेशकों को रेड टेप के जाल में नहीं उलझाया, रेड कारपेट का माहौल बनाया : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कर्नाटक में आयोजित वैश्विक निवेशक सम्मेलन 'इन्वेस्ट कर्नाटक-2022' के उद्घाटन सत्र को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि संकट के दौर में भी पूरी दुनिया भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है, क्योंकि पूरी दुनिया आश्वस्त है कि भारत की अर्थव्यवस्था फंडामेंटल है। इन्वेस्टर्स से उन्होंने कहा कि हमने देश में रेड कारपेट का माहौल बनाया। बता दें कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य संभावित निवेशकों को आकर्षित करना और अगले दशक के लिए विकास एजेंडा स्थापित करना है। दो नवंबर से चार नवंबर तक आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में 80 से अधिक सत्र होंगे, जिन्हें विभिन्न वक्ता संबोधित करेंगे।

'इन्वेस्ट कर्नाटक-2022' को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब भी टैलेंट और टेक्नोलॉजी की बात आती है, तो दिमाग में जो नाम सबसे पहले आता है, वह है ब्रांड बेंगलुरु। और यह नाम सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में स्थापित हो चुका है। 21वीं सदी में भारत आज जिस ऊंचाई पर है, वहां से अब उसे निरंतर आगे ही जाना है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले साल भारत ने करीब 84 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट हासिल किया था।

'इन्वेस्ट कर्नाटक-2022' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में युद्ध और महामारी से बनी स्थितियों का विपरीत प्रभाव पड़ा ही है, बावजूद इसके पूरी दुनिया भारत की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। यह दौर आर्थिक अनिश्चितता का है, मगर तमाम देश इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत है। भारत में इन्वेस्टमेंट का मतलब है, इन्वेस्टमेंट इन इन्क्लुशन, इन्वेस्टमेंट इन डेमोक्रेसी और इन्वेस्टमेंट फॉर द वर्ल्ड।

पीएम मोदी ने कहा कि यह भले ही ग्लोबल क्राइसिस का दौर है, लेकिन दुनियाभर के एक्सपर्ट्स, विश्लेषक और अर्थव्यवस्था के जानकार भारत को ब्राइट स्पॉट बता रहे हैं। हम अपने फंडामेंटल्स पर लगातार काम कर रहे हैं ताकि भारत की अर्थव्यवस्था दिनों-दिन और मजबूत हो। हमने इन्वेस्टर्स को रेड टेप के जाल में उलझाने के बजाय निवेश के लिए रेड कारपेट का माहौल बनाया। हमने नए-नए उलझाऊ कानून बनाने के बजाय उन्हें रेशनलाइज बनाया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान ने इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण का तौर-तरीका ही बदल दिया। डेवलपिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ एग्जिस्टिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का मैप तैयार किया जाता है, फिर उसे पूरा करने के शॉर्टेस्ट एंड मोस्ट एफिसिएंट रूट पर चर्चा की जाती है। इसमें लास्ट माइल का भी ख्याल रखा जाता है। उन्होंने कहा कि आज जब दुनिया इंडस्ट्री 4.0 की ओर बढ़ रही है तो इस औद्योगिक क्रांति में भारतीय युवाओं की भूमिका और भारतीय युवाओं का टैलेंट देखकर दंग है। भारत के युवा बीते वर्षों में अपने यहां 100 से अधिक यूनिकॉर्न बना चुके हैं। भारत में आठ साल में 80 हजार से ज्यादा स्टार्टअप्स बने हैं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कह, राहुल गांधी असल में 'सड़क पर दहाड़ता शेर'

हैदराबाद (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को 'बैकसीट ड्राइविंग (पीछे से पार्टी चलाना) या अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना पसंद नहीं है। आगे उनकी सबसे ज्यादा अहमियत इस बात की रहेगी कि वह पार्टी के लिए वैचारिक धुरी की भूमिका निभाएंगे। मल्लिकार्जुन खरगे के कांग्रेस अध्यक्ष निर्वाचित होने के कुछ दिनों बाद रमेश ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि राहुल गांधी ही सर्वेसर्वा हैं, लेकिन इसका जवाब यह है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष असल में 'सड़क पर दहाड़ता शेर' हैं।

रमेश का कहना था कि 'भारत जोड़ो यात्रा' पार्टी के जनसंपर्क तथा इसकी 'दो सी-राहुल गांधी के संदर्भ में संपर्क (कनेक्टिविटी) और संगठन के संदर्भ में सामूहिकता (कलेक्टिविटी)' के लिए असली 'बूस्टर डोज' है। उन्होंने कहा, ''सबसे कारगर असर कांग्रेस संगठन पर हुआ है। कांग्रेस का हौसला बहुत ही ऊंचाई पर है। क्या आगे यह स्थायी जनसमर्थन में परिवर्तित होगा, यह सब अब संगठन पर निर्भर करेगा।''

पार्टी महासचिव रमेश ने राहुल गांधी के नेतृत्व का उल्लेख कर दार्शनिक अलबर्ट कामस के उस कथन का हवाला दिया कि 'मेरे पीछे मत चलो, शायद मैं अगुवाई नहीं कर पाऊं, मेरे आगे मत चलो, शायद तुम्हारा अनुसरण नहीं कर पाऊं, सिर्फ मेरे साथ चलो। उनका कहना था, राहुल गांधी जी को 18 साल से जानता हूं और मैं उन्हें काफी अच्छी तरह जानता हूं। वह 'बैकसीट ड्राइविंग' पसंद नहीं करते, वह अपने पद या ताकत का प्रदर्शन करना पसंद नहीं करते। वह बहुत ही लोकतांत्रिक व्यक्ति हैं।

रमेश ने बताया कि इस यात्रा का राहुल गांधी से जुड़ी उस धारणा पर परिवर्तनकारी असर हुआ है जो 'भाजपा की ट्रोल मशीन' ने बहुत तोड़मरोड़कर गढ़ा गया था। उन्होंने कहा कि निजी तौर पर उनके लिए और पार्टी संगठन के लिए भी यह यात्रा एक बहुत बड़ा दांव है। खड़गे के अध्यक्ष बनने के बाद राहुल गांधी की क्या भूमिका होगी, इस सवाल के जवाब में रमेश ने कहा कि यह फैसला खड़गे और राहुल गांधी को करना है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि राहुल गांधी की सबसे बड़ी अहमियत यह होगी कि वह पार्टी के लिए वैचारिक धुरी की भूमिका निभाएंगे।

लोकतंत्र के अंदर वोट उसी को देना चाहिए, जो जनता के काम का हिसाब दे: अमित शाह

धर्मशाला (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने हिमाचल को धुआं मुक्त बनाने का काम किया। बिलासपुर में एम्स का निर्माण किया गया। चम्बा, नाहन और हमीरपुर में मेडिकल कॉलेज का उन्नयन किया गया। 48 अस्पतालों में मोदी जी ने ऑक्सीजन प्लांट बनाने सहित विकास के कई काम किये। हिमाचल प्रदेश को वंदे भारत ट्रेन दिया। सोलन में मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने का काम किया। ऊना में बल्क ड्रग फार्मा पार्क बनाने का काम किया। चंबा, नाहन, हमीरपुर में मेडिकल कॉलेज का उन्नयन किया।

भाजपा ने ढेर सारे काम यहां पर किए हैं। जल शक्ति योजना के तहत 2 लाख घरों में पानी पहुंचाया। धर्मशाला को विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर देने का काम किया। धर्मशाला स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत 567 करोड़ रुपया नरेंद्र मोदी जी ने भेजा है। सौभाग्य योजना के तहत हिमाचल के अंदर हर घर बिजली पहुंची है। 7 लाख परिवारों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलो मुफ्त अनाज देने का काम नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। 8 लाख 67 हजार परिवारों को नल से जल पहुंचाने का काम भाजपा सरकार ने किया है।

लोकतंत्र के अंदर वोट उसी को देना चाहिए जो जनता के काम का हिसाब भी दे। मैं आज आपके सामने, नरेन्द्र मोदी सरकार और जयराम सरकार के कामों का हिसाब देने आया हूं। कांग्रेस के राहुल बाबा तो धर्मशाला आएंगे नहीं, लेकिन उनकी पार्टी के लोग जरूर आएंगे। मेरा आप सबसे निवेदन है कि उनसे हिसाब जरूर मांगिएगा।

फेस्टिव सीजन में ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान 40 फीसदी भारतीयों के साथ की गई ठगी

नई दिल्ली । लगभग 40 प्रतिशत भारतीय त्योहारी सीजन के दौरान ऑनलाइन खरीदारी करते समय ठगे गए हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। यह अध्ययन साइबर सुरक्षा में वैश्विक लीडर नॉर्टन की ओर से द हैरिस पोल द्वारा आयोजित किया गया था। अध्ययन में त्योहारी सीजन के दौरान साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन खरीदारी के प्रति दृष्टिकोण का पता लगाया गया। नॉर्टनलाइफलॉक में सार्क देश नॉर्टन डायरेक्टर इंडिया के निदेशक रितेश चोपड़ा ने कहा हाल ही में ऑनलाइन खरीदारी करने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है और इसके साथ ही ऑनलाइन शॉपिंग घोटाले, उपहार कार्ड धोखाधड़ी, डाक वितरण धोखाधड़ी में वृद्धि हुई है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 78 प्रतिशत भारतीय वयस्क इस बात से सहमत हैं कि अपने कनेक्टेड डिवाइस के माध्यम से ऑनलाइन समय बिताने से उन्हें त्योहारों के मौसम में अधिक जुड़ाव महसूस करने में मदद मिलती है और 74 प्रतिशत का कहना है कि यह उनकी मानसिक भलाई में मदद करता है। 65 प्रतिशत भारतीय वयस्कों का कहना है कि अगर वे त्योहारी सीजन के दौरान अपने कनेक्टेड डिवाइस तक नहीं पहुंच पाते हैं तो उनकी मानसिक स्थिति खराब हो जाएगी।

गुजरात चुनाव के कारण खेला जा रहा है सीएए का खेल, मोरबी की घटना को लेकर भी ममता ने उठाए सवाल

कोलकाता (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा मोरबी की घटना में शामिल अपराधियों के खिलाफ ईडी और सीबीआई कार्रवाई क्यों कर रहे हैं? वे केवल आम लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं। जवाबदेही तय होनी चाहिए...मैं पीएम के बारे में कुछ नहीं बोलूंगी क्योंकि यह उनका राज्य है...मैं राजनीति के बारे में कुछ नहीं बोलूंगी। ममता बनर्जी ने कहा मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगी क्योंकि लोगों की जिंदगी राजनीति से ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैं संवेदना व्यक्त करता हूँ। कई की मौत हो चुकी है और कई अब भी लापता हैं।

ममता बनर्जी ने कहा कि मोरबी की घटना की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के तहत एक न्यायिक आयोग बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज मैं तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन से मिलूंगा, वह मेरे राजनीतिक मित्र हैं। यह एक शिष्टाचार मुलाकात है क्योंकि मैं चेन्नई जा रहा हूं। जब भी दो राजनीतिक व्यक्ति मिलते हैं तो उससे जुड़ी बातें चर्चा में आ जाती हैं। सीएए पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि हम इसके पूरी तरह खिलाफ हैं और हम सीएए का विरोध करते हैं, वे गुजरात चुनाव के कारण यह खेल खेल रहे हैं।

सभी देश संप्रभुता का करें सम्मान, पाक-चीन सांठ गांठ पर जयशंकर ने ड्रैगन को खूब सुनाया

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन की सरकार प्रमुखों की परिषद की ऑनलाइन बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने एक बार फिर चीन को सीधा संदेश दिया। चीनी प्रधानमंत्री ली केकियांग ने बैठक की मेजबानी की क्योंकि सरकार के प्रमुखों की परिषद की अध्यक्षता चीन द्वारा की जाती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन के देशों में बेहतर कनेक्टिविटी पर जोर दिया। संगठन की बैठक में जयशंकर ने यह भी कहा कि कनेक्टिविटी की इन परियोजनाओं में सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का भी सम्मान किया जाना चाहिए। विदेश मंत्री की इस टिप्पणी को चीन के बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव प्रोजेक्ट के संदर्भ में देखा गया।

संगठन से जुड़े शासनाध्यक्षों की परिषद की बैठक में विडियो कॉन्फ्रेंस से शामिल हुए जयशंकर ने कहा कि (ईरान में) चाबहार बंदरगाह और %इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर% क्षेत्र में आर्थिक क्षमता की संभावनाएं के नए रास्ते खोलेगा। ये प्रोजेक्ट मध्य एशियाई देशों में सुगम संपर्क का जरिया बन सकते हैं। बैठक के बाद जयशंकर ने ट्वीट कर कहा कि हमें मध्य एशियाई देशों के हितों का ध्यान रखते हुए एससीओ क्षेत्र में बेहतर संपर्क स्थापित करने की जरूरत है। एससीओ सदस्य देशों के साथ हमारा कुल व्यापार 141 अरब डॉलर का है। इसमें कई गुना वृद्धि की संभावना है। एससीओ में रूस, चीन, किर्गिज़ गणराज्य, कजाखस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान हैं। भारत और असर पह पाकिस्तान 2017 में सदस्य बने।

जयशंकर ने कहा कि कनेक्टिविटी परियोजनाओं को सदस्य राज्यों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून का आदर करना चाहिए। उनकी इस टिप्पणी को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के संदर्भ में देखा जा रहा है।

दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण बना परेशानी का सबब, वर्क फ्रॉम होम की मांग के बीच केजरीवाल ने मजदूरों के लिए किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली में इन दिनों प्रदूषण के कारण दम फूलने लगा है। प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक श्रेणी में बना हुआ है। प्रदूषण के खतरनाक स्तर के कारण राजधानी दिल्ली में सांस लेना भी दूभर हो गया है। प्रदूषण के कारण आम जनता के स्वास्थ्य को भी हानि पहुंचती है। खास तौर से स्कूल जाने वाले बच्चों को प्रदूषण में बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिसे लेकर अभिभावक, स्कूल प्रशासन भी चिंतित रहते है।

दिल्ली में खतरनाक स्तर के प्रदूषण के बावजूद भी स्कूल अभी खुले हुए है। स्कूल खुले रखने पर नाराजगी जताते हुए नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स ने दिल्ली सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। कमीशन के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने दिल्ली सरकार से सवाल किया है कि प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंचने के बाद भी स्कूल क्यों खुले हुए है। इस मामले पर दिल्ली सरकार ने अबतक कोई फैसला क्यों नहीं लिया है। स्कूल जाने में बच्चों को जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर होना पड़ रहा है।

गोपाल राय ने दिया घर से काम करने का सुझाव

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि कृषि कानूनों के खिलाफ हुए प्रदर्शनों की वजह से वह पंजाब में किसानों को पराली जलाने के लिए निशाना बना रही है। राय ने वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली के लोगों को घर से काम करने और वाहन साझा करने का सुझाव दिया। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता ने कहा कि पंजाब में किसान पराली जलाने को मजबूर हैं, क्योंकि भाजपा नीत केंद्र सरकार ने पराली जलाने के लिए उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करने की राज्य सरकार की योजना का समर्थन नहीं किया।

मजदूरों को मिलेगी मदद

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शहर में प्रदूषण के कारण निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध के चलते बुधवार को श्रम मंत्री मनीष सिसोदिया को श्रमिकों को पांच-पांच हज़ार रुपये की सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। प्रदूषण स्तर बढ़ने के साथ, केंद्र के वायु गुणवत्ता आयोग (सीएक्यूएम) ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के तीसरे चरण के तहत शनिवार को अधिकारियों को दिल्ली-एनसीआर में

केवल आवश्यक परियोजनाओं को छोड़कर निर्माण और विध्वंस गतिविधियों पर रोक लगाने का निर्देश दिया था। केजरीवाल ने ट्वीट किया, प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली भर में निर्माण गतिविधियों को रोक दिया गया है। मैंने श्रम मंत्री मनीष सिसोदिया को इस अवधि के दौरान प्रत्येक निर्माण श्रमिक को वित्तीय सहायता के रूप में पांच हज़ार रुपये प्रति माह देने का निर्देश दिया है। आम आदमी पार्टी (आप) नीत शहर की सरकार ने पहले भी कोविड-19 महामारी के दौरान दिल्ली में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को वित्तीय सहायता प्रदान की थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए सख्त हुई दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार एक्शन मोड में है। राज्य के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एंटी डस्ट अभियान के तहत औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एक निर्माण कंपनी पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन स्थलों पर भारी अनियमितताएं पाईं । दिल्ली में निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध के बावजूद निर्माण कार्य कई स्थानों पर चल रहे थे। ऐसे में डीपीसीसी को निर्माण कार्य बंद करने एवं एक कंपनी पर 05 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का निर्देश दिया है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज आईटीओ के पास एक निर्माण स्थल पर निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। यहां निर्माण पर रोक लगाए जाने के बाद भी कार्य चल रहा था। जिसके बाद मंत्री मंत्री ने काम बंद कराने के निर्देश के साथ पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाने का भी निर्देश दिया।

आबकारी नीति से सरकारी खजाने को हुआ हजारों करोड़ का नुकसानः बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि राज्य की नई आबकारी नीति सिर्फ आप नेताओं को लाभ पहुंचाने के लिए लाई गई थी। इस नीति के कारण दिल्ली के राजस्व को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। क्या मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बताएंगे कि इस नुकसान के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा और इसकी भरपाई कौन करेगा? बिधूड़ी ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि एक आरटीआई से पता चला है कि नई आबकारी नीति से दिल्ली सरकार के खजाने को करीब दो हजार करोड़ का नुकसान हुआ है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इसका मतलब साफ है कि केजरीवाल सरकार ने नई नीति लागू करके दिल्ली के खजाने को करोड़ों रुपये की चोट पहुंचाई है। उन्होंने कहा इस मुद्दे पर केजरीवाल कोई बात नहीं करते हैं।

यूपीपीसीबी की टीम ने तीन बिल्डरों पर लगाया 1.70 लाख रुपए का जुर्माना, बॉयलर सील

ग्रेटर नोएडा। प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है और उसके रोकथाम की लगातार कोशिश हो रही है। लेकिन फिर भी प्रदूषण के स्तर में कोई कमी नहीं आ रही है। यूपीपीसीबी की टीम भी लगातार नोएडा, ग्रेटर नोएडा के कई इलाकों में भ्रमण कर ग्रेप के नियमों का पालन ना करने वालों पर जुर्माना लगा रही है। इसी कड़ी में यूपीपीसीबी की टीम ने ग्रेटर नोएडा में तीन बिल्डरों पर 1.70 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। तीनों जगह वायु प्रदूषण की रोकथाम के इंतजाम नहीं मिले। टीम ने एक कंपनी का बॉयलर भी सील किया है। बॉयलर के पास प्रतिबंधित ईंधन मिला था। यूपीपीसीबी की टीम ने औद्योगिक सेक्टर साइट सी स्थित सुल्तानपुर होजरी का निरीक्षण किया। यहां लकड़ी के ईंधन से संचालित बॉयलर मिला, टीम ने बॉयलर को सील कर दिया है।

वहीं बिल्डरों पर करवाई करते हुए ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 27 में यमुना बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड की साइट पर निर्माण सामग्री खुले में पड़ी थी। वाहनों के आवागमन से धूल उड़ रही थी पानी का छिड़काव नहीं किया गया था, ऐसे में बिल्डर पर 50 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

इसके अलावा यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 17ए में ट्रिपल एम प्राइवेट लिमिटेड बिल्डर पर 20 हजार का जुर्माना लगाया गया है। बिल्डर के प्रोजेक्ट में मिट्टी और निर्माण सामग्री खुले में पड़े थे। हवा चलने से धूल उड़ रही थी। पानी का छिड़काव और ग्रीन नेट कवरिंग भी नहीं थी। ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर टेक जोन 4 में एक निर्माणाधीन प्रोजेक्ट के मालिक सुशील चौधरी पर 1 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

एनडीएमसी ने व्याख्यान आयोजित किया

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) 6 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रही है। इस श्रृंखला में एक लोक सेवक के रूप में सरकारी कामकाज और सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के महत्व पर जोर देने के लिए एनडीएमसी के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक व्याख्यान आयोजित किया।

एक सप्ताह तक चलने वाले उत्सव के तहत, एनडीएमसी ने आज एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर, जय सिंह रोड, नई दिल्ली में मुख्य सतर्कता आयुक्त सुरेश एन पटेल द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस अवसर पर पालिका परिषद अध्यक्ष अमित यादव, सीवीओ गरिमा सिंह, पालिका परिषद के सचिव विक्रम सिंह मलिक, निदेशक (सतर्कता) आरएन सिंह सहित सभी विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। अपने संबोधन में सुरेश एन. पटेल ने कहा कि हमारा राष्ट्र एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है, इसलिए इस वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत - विकसित भारत' अत्यंत तार्किक है। उन्होंने कहा कि सतर्कता के ज्यादातर मामले ज्ञान के अभाव और कर्मचारियों की सुस्ती के कारण होते हैं। उन्होंने विजिलेंस से जुड़े मामलों के जल्द से जल्द निस्तारण पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि दोषियों को बिना समय बर्बाद किए दंडित किया जाना चाहिए ताकि अन्य कर्मचारियों के लिए एक उदाहरण स्थापित कर सकें।

इस अवसर पर, एनडीएमसी के अध्यक्ष अमित यादव ने शिकायतों के समय पर निवारण करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने पारदर्शिता बढ़ाने और भौतिक संपर्क को कम करके कुशल नगर पालिका शासन प्रदान करने के लिए एनडीएमसी द्वारा की गई डिजिटल पहल पर एक प्रस्तुति भी दी। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीएमसी कर्मचारियों और अधिकारियों के कामकाज में सतर्कता जागरूकता सप्ताह की भावना को आत्मसात किया जाना चाहिए।

गुजरात के मुख्यमंत्री तुरंत दें इस्तीफा : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को मोरबा में हुए हादसे की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। केजरीवाल ने एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि मोरबी में पुल हादसे में 134 से अधिक लोग मारे गए हैं। यह सामान्य घटना नहीं है। यह भ्रष्टाचार का मामला है। केजरीवाल ने कहा कि एक घड़ी बनाने वाली कंपनी को पुल बनाने का ठेका क्यों दिया गया? इस कंपनी को पुल के रखरखाव का कोई अनुभव नहीं था, फिर भी इसे काम क्यों दिया गया?

केजरीवाल ने कहा कि जिस कंपनी ने पुल का काम किया था। उसका एफआईआर में नाम नहीं है। सरकार असली गुनाहगारों को छुपाने की कोशिश कर रही है। केजरीवाल ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के लिए प्रार्थना की और घायलों के स्वस्थ्य होने की कामना करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। सुकेश और आप नेता सत्येन्द्र जैन के संबंध को लेकर केजरीवाल से सवाल पूछने पर उन्होंने कहा कि सुकेश के पत्र की कोई सच्चाई नहीं है। भाजपा गुजरात में हुए ब्रिज हादसे से मीडिया का ध्यान भटकाने के लिए ऐसा कर रही है।

तिहाड़ जेल में बंद सुकेश चन्द्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल को एक पत्र लिखा है। इसमें सुकेश ने दावा किया है कि उसने जेल में सुविधा पाने के लिए आप नेता सत्येन्द्र जैन को 10 करोड़ रुपये दिए थे। जिसे केजरीवाल ने सिरे से खारिज कर दिया हैेन्द्र जैन के संबंध को लेकर केजरीवाल से सवाल पूछने पर उन्होंने कहा कि सुकेश के पत्र की कोई सच्चाई नहीं है। भाजपा गुजरात में हुए ब्रिज हादसे से मीडिया का ध्यान भटकाने के लिए ऐसा कर रही है। तिहाड़ जेल में बंद सुकेश चन्द्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल को एक पत्र लिखा है।

दिल्ली के 308 सफाई कर्मचारियों को किया गया नियमित

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेन्द्र यादव की उपस्थिती में सिविक सेंटर में 308 सफाई कर्मचारियों को नियमित किया गया।

इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने सफाई कर्मचारियों को नियमितीकरण के सर्टिफिकेट्स बांटे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी कर्मयोगियों के हित में कार्यरत है।

उन्होंने दिल्ली नगर निगम और नियमित होने वाले कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि हम सबका मकसद दिल्ली को साफ रखने का है और इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता भी वहां उपस्थित रहे। उन्होंने कहा

कि निगम निष्काम भाव से जनता की सेवा में दिन-रात लगे अपने कर्मठ भाई-बहनों के उत्थान के प्रति पूर्णतः कटिबद्ध है। आने वाले समय में 10000 कर्मियों को और भी नियमित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 09 हजार कर्मियों को नियमित करने का काम भाजपा शासित दिल्ली नगर निगम ने किया है।

उपराज्यपाल ने सुभाष नगर में कार पार्किंग और सामुदायिक हॉल का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सुभाष नगर में भूमिगत बहुस्तरीय कार पार्किंग और सामुदायिक हॉल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पश्चिमी दिल्ली से सांसद साहिब सिंह वर्मा भी मौजूद रहे।

दिल्ली नगर निगम ने 41.72 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण किया है। यह एकीकृत परिसर क्षेत्र के समुदाय की सामाजिक-सांस्कृतिक जरूरतों और पार्किंग आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगा।

इससे पहले उपराज्यपाल ने आज मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र में एमसीडी के 'ऑपरेशन क्लीन दिल्ली' का शुभारंभ किया। उन्होंने उपस्थित स्वच्छता कर्मियों से शहर की जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया और लोगों से प्रदेश को स्वच्छ रखने में हितधारक बनने की अपील की।

दिल्ली में प्रदूषण बढ़ा, बुधवार को समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक 354 पर पहुंचा

नई दिल्ली। दिल्ली- एनसीआर में दिनोंदिन बढ़ते प्रदूषण के स्तर से वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब श्रेणी से बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया है। लोगों का सांस लेना दूभर होता जा रहा है। बुधवार को दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक 354 दर्ज किया गया। वहीं मंगलवार शाम चार बजे एक्यूआई 424 दर्ज किया गया था।

सफर के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली हवाई अड्डे के पास पीएम 2.5 का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 350 रहा वहीं नोएडा में 406, गुरुग्राम में 346 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों की माने तो पंजाब और हरियाणा में जलाई जा रही पराली के कारण आने वाले दिनों में राजधानी में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में रहने की पूरी आशंका है।

डॉक्टरों के मुताबिक प्रदूषण के कारण लोगों में सांस की तकलीफें बढ़ने लगी है। खासकर अस्थमा के मरीजों के लिए यह हवा बेहद खतरनाक है। डॉ. नरेन्द्र सैनी ने बताया कि अस्पताल में पहुंचने वाले 10 में से 5 मरीजों में सांस की तकलीफें देखी जा रही है। प्रदूषण से स्वास्थ्य पर दूगामी प्रभाव भी देखने को मिलेंगे। इसमें फेफड़े कमजोर होना और कैंसर भी शामिल है। डॉ. सैनी ने इससे बचाव की सलाह देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में लोगों को घर के अंदर ही रह कर व्यायाम करना चाहिए। सुबह की सैर को अभी थोड़ा टालना चाहिए। घर से बाहर निकलने के समय एन 95 मास्क लगाना चाहिए।

नोएडा में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, तीन गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना दनकौर पुलिस और लुटेरों के बीच बीती देर रात मुठभेड़ हुई है। जिसमें दो बदमाशों को गोली लगने के बाद गिरफ्तार किया गया है। जबकि इनका एक साथी फरार हो गया था, जिसको कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है। इन बदमाशों ने एक कैब बुक की थी। कैब के ड्राइवर के साथ मारपीट कर उसकी कैब लूट ली थी। इनकी तलाश कई दिनों से पुलिस कर रही थी। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात पुलिस बिजली पावर हाऊस के पास चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान सामने से आ रही एक संदिग्ध एसेंट कार को रूकने का इशारा किया गया। जिसपर एसेंट कार सवार बदमाश कार को भगाने लगे और पुलिस पर फायर भी कर दिया। पुलिस ने उनका पीछा किया और जवाबी करवाई में दो बदमाश बबलू और अनुज घायल हो गए। घायल बदमाशों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, दो खोखा व दो जिन्दा कारतूस व लूट की एसेंट कार बरामद की गई है। बदमाशों का एक साथी नितिन उर्फ हनुमान को पकड़ने के लिए कांबिंग कर गिरफ्तार किया गया। बदमाशों ने 26/27 अक्टूबर को जनपद फरीदाबाद से एसेंट कार बुक कर सिकंद्राबाद रोड पर ड्राइवर को बांधकर कार लूटकर फरार हो गए थे।

तेजी से बढ़ रहे हैं डेंगू के मामले, एक दिन में 19 लोगों को डेंगू की पुष्टि

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में लगातार डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं। बीते हफ्ते की बात करें तो एक हफ्ते में जहां 27 मामले सामने आए थे, वहीं अब एक दिन में ही 19 मामलों की पुष्टि हुई है। सभी डेंगू के मरीज अलग-अलग अस्पतालों में अपना इलाज करवा रहे हैं। अब डेंगू के मरीजों की संख्या 125 हो गई है। जिला स्वास्थ विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक अक्टूबर में डेंगू के 103 मरीज मिले हैं, वहीं मलेरिया के मरीजों की संख्या 92 हो गई है। जबकि तीन मरीजों में चिकनगुनिया की पुष्टि हुई है। अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक डेंगू के 57 मरीज मिले थे, 29 अक्टूबर को आंकड़ा 79 तक पहुंच गया, जबकि पिछले चार दिनों में 46 मरीज बढ़ने के साथ मरीजों की संख्या कुल 125 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से सर्कुलर जारी करते हुए डेंगू के संदिग्ध मरीजों के सैंपल जांच के लिए भेजने के आदेश दिए गए हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी राजेश ने बताया कि निजी अस्पतालों से आने वाले डेंगू के संदिग्ध नमूनों की जांच जिला अस्पताल और साइड पीजीआई में बनाई गई लैब में की जा रही है।

भीख भी मांगनी पड़ी, तो मांगूगा लेकिन फ्री योग क्लासेज बंद नहीं होने दूंगा : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में फ्री योग क्लासेज जारी रहेंगी। इस संबंध में सीएम अरविंद केजरीवाल का कहना है कि मुझे घर-घर जाकर भीख भी मांगनी पड़ी, तो भीख मांगकर भी मैं योगा टीचर्स को पैसे दूंगा और दिल्ली के लोगों को योग कराऊंगा। सीएम अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली के हर अच्छे काम को रोकने की कोशिश की जा रही है। इन्होंने दिल्ली की दिवाली और रेड लाइट ऑन-गाड़ी ऑफ प्रोग्राम को रोक दिया। अब इनका अगला टारगेट मोहल्ला क्लीनिक और स्कूल हैं। ये दवाइयों और टेस्ट के टेंडर रोकने वाले हैं और गेस्ट टीचर व कच्चे कर्मचारियों को तंग करने वाले हैं, ताकि काम प्रभावित हो। मैं दिल्ली के लोगों को यकीन दिलाना चाहता हूं कि आप बिल्कुल चिंता मत करना। मैं आपके साथ खड़ा हू। बीजेपी और एलजी साहब दिल्ली के कामों में कितना भी अड़चन अड़ा लें, लेकिन मैं एक भी काम को रुकने नहीं दूंगा। पिछले साल दिसंबर के महीने में 'दिल्ली की योगशाला' नामक कार्यक्रम शुरू किया था। जिसमें दिल्ली के अलग-अलग इलाकों के पार्कों या सार्वजनिक स्थानों पर 25 से ज्यादा लोग इकट्ठे होकर अगर दिल्ली सरकार को मिस्ड कॉल करें, तो दिल्ली सरकार एक प्रशिक्षक भेजती है और उनको प्रतिदिन फ्री में योग सिखाती और करवाती है। फिछले 11 महीनों से दिल्ली की योगशाला चल रही थी। करीब 590 स्थानों पर रोजाना योग की क्लासेज चलती थी। इनमें करीब 17 हजार लाभार्थी रोजाना आ रहे थे।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे बेहद दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि इन लोगों ने मिलकर आज से दिल्ली में योग की क्लासेज बंद करा दी है। 1 नवंबर की सुबह दिल्ली में मुफ्त योगा क्लासेज नहीं हुई। 17 हजार लाभार्थी योग करने से रह गए। जो लोग अस्थमा, पोस्ट कोविड कॉम्पलिकेशन से बीमारे थे वो योग करने से वंचित रह गए। इन्होंने कहा है कि आज के बाद से योग की क्लासेज नहीं होंगी। यह बेहद दुख की बात है। योग को कौन बंद करता है। सीएम ने कहा कि मेरे पास योग की क्लासेज लेने वाले कई टीचरों के फोन आए। उन टीचरों ने कहा कि हम योग की क्लासेज बंद नहीं होनी चाहिए। हम बिना पेमेंट के क्लासेज करेंगे। मेरे पास देशभर से कई लोगों के फोन आए कि हम डोनेशन देंगे। हम योग की क्लासेज लेने वाले टीचरों की सैलरी देंगे, लेकिन आप योग की क्लासेज मत रोकिएगा।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह योग की क्लासेज जारी रहेंगी। मेरी सभी टीचर्स से अपील है कि आप 2 नवंबर से योग की क्लासेज में जाइए और क्लासेज लीजिए। मुझे अगर कटोरा लेकर घर-घर जाकर भीख भी मांगनी पड़ेगी, तो मैं खुद जाकर लोगों से भीख मागूंगा और आपकी पेमेंट करूंगा। जो भी आपके चार्जेज हैं, उसे मैं दूंगा और योग की क्लासेज होंगी। योगा क्लासेज को रोका नहीं जाएगा। हमारा मकदस है सिर्फ 17 हजार लोगों को योग कराना नहीं है, बल्कि 17 लाख लोगों को योग कराएंगे और एक दिन हम दिल्ली के 2 करोड़ लोगों को योग करना सिखाएंगे। हम देखते हैं कि ये लोग कैसे रोकते हैं। सीएम ने कहा कि ये लोग अपनी सत्ता का दुरूपयोग करके रोकेंगे तो दिल्ली की जनता इसका जवाब देगी। अभी तो योगशाला दिल्ली में शुरू हुई है। मेरी पंजाब के सीएम भगवंत मान से भी बात हुई है। हम पंजाब के 3 करोड़ लोगों को भी योग सिखाएंगे। गुजरात में हमारी सरकार बनेगी, वहां भी हम लोगों को मुफ्त में योगा सिखाएंगे। मुझे पूरा यकीन है कि एक दिन ऐसा आएगा, जब हम देश के 130 करोड़ लोगों को फ्री में योग सिखाएंगे।

केजरीवाल का कहना है कि पिछले कई महीनों से हम लोग देख रहे हैं कि दिल्ली के हर अच्छे काम को रोकने की कोशिश की जा रही है। इन्होंने दिल्ली की दिवाली नहीं होने दी। हर साल हम दिल्ली की दिवाली मनाया करते थे, लेकिन इस बार इन्होंने अफसरों पर दवाब डालकर दिल्ली की दिवाली नहीं होने दी।

एससीओ बैठक में जयशंकर ने मध्य एशियाई देशों के साथ बेहतर संपर्क सुविधाओं पर दिया जोर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की सरकार के प्रमुखों की वर्चुअल बैठक में कहा कि हमें मध्य एशियाई देशों के हितों को ध्यान में रखते हुए एससीओ क्षेत्र में बेहतर संपर्क सुविधायें विकसित करनी चाहिए। इससे एससीओ क्षेत्र की आर्थिक क्षमता को दोहन होगा और इसमें चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा प्रवर्तक बन सकता है। विदेश मंत्री ने ट्वीट कर बैठक में दिए अपने वक्तव्य की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संपर्क परियोजनाओं को सदस्य देशों की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से लॉन्च किए गए मिशन लाइफ की भी बात की। उन्होंने कहा कि यह एक सर्कुलर अर्थव्यवस्था द्वारा प्रचलित 'उपयोग और निपटान' अर्थव्यवस्था को प्रतिस्थापित करने की कल्पना करता है। जयशंकर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2023 को संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया है। इस संदर्भ में भारत खाद्य संकट का मुकाबला करने के लिए एससीओ सदस्यों के साथ अधिक सहयोग को बढ़ावा देना चाहता है। उन्होंने बताया कि एससीओ सदस्यों के साथ हमारा कुल व्या पार केवल 141 अरब डॉलर का है, जिसके कई गुना बढ़ने की संभावना है। उचित बाजार पहुंच हमारे पारस्परिक लाभ के लिए है और आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका है। साथ ही विदेश मंत्री ने मोरबी त्रासदी में जान गंवाने वालों के प्रति सदस्य देशों की व्यक्त संवेदना के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि सालाना आयोजित एससीओ-सीएचजी बैठक संगठन के व्यापार और आर्थिक एजेंडे पर केंद्रित है और इसके वार्षिक बजट को मंजूरी देती है। भारत इस क्षेत्र में विभिन्न एससीओ गतिविधियों व संवाद तंत्रों के साथ-साथ एससीओ ढांचे के भीतर अन्य बहुपक्षीय सहयोग में सक्रिय रूप से लगा हुआ है।